वर्ष : 16 ❖ अंक : 347 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
रविवार, 31 जुलाई 2022

विचाराधीन कैदियों की रिहाई में लाएं तेजी : पीएम 3 | बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे अखिलेश : केशव मौर्य 8

आइए सिक्किम में निवेश करिए : सीएम गोले

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ सीएम ने की बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 जुलाई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) पटना के अंता घाट में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यों के साथ एक बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल गंगा प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बिहार आगमन हेतु धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों को सिक्किमवासियों एवं सिक्किम सरकार के साथ मिलकर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए सिक्कम में आपका स्वागत है। हर क्षेत्र के निवेशकों को कानून के अनुसार हर तरह का सहयोग मिलेगा। 2028 तक टैक्स होलिडे मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कृषि क्षेत्र की समृद्धि, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिष्ठान, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के क्षेत्र में सिक्किम की बेहतर स्थिति से उपस्थित लोगों को अवगत कराया।

इस दौरान मुख्यमंत्री गोले के साथ मंत्री एमएन शेरपा, अरुण उप्रेती तथा बिहार के दीघा के विधायक संजीव चौरसिया भी उपस्थित थे। वहीं इस दौरान बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पीके अग्रवाल, उपाध्यक्ष एनके ठाकुर और अन्य सदस्यगण भी मौजूद थे। एसकेएम के प्रचार महासचिव बीपी भंडारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में वक्तव्य रखते हुए मुख्यमंत्री गोले ने सिक्किम की मौजूदा राज्य सरकार के विकास एवं प्रगतिमूलक कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सिक्किम सरकार ने नयी औद्योगिक नीति बनाकर राज्य में निवेशकों को आकर्षित किया है। साथ ही किसानों को अधिकतम सुविधाएं प्रदान करते हुए बागवानी एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि शहरीकरण में तेजी आयी है, लेकिन देश का असल विकास गांवों के विकास पर टिका है। यदि गांव विकसित होंगे, तभी राज्य एवं देश का विकास होगा। वहीं उन्होंने चाय उत्पादन, सूअर पालन की प्रोत्साहन योजना तथा स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों में तेज विकास के बारे में बताया।

सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि सिक्किम में दो गांवों को मैंने गोद लिया है। आदर्श ग्राम के रूप में इनका विकास हो रहा है। अमृत महोत्सव पार्क का निर्माण कराया है। बिहार चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने कहा कि सिक्किम को जैविक खेती के लिए ग्लोबल फ्यूचर पालिसी अवार्ड मिला है। हम भी यह सीख सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिक्किम सरकार राज्य में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिये निवेशकों को आमंत्रित कर रही है।

वहीं शिक्षा क्षेत्र में कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने हरेक निर्वाचन क्षेत्र में एक विश्वविद्यालय खोलने के बारे में बताया। वहीं सीएम गोले ने यह भी कहा कि हमारे हरेक कार्यों एवं पहलों में राज्यपाल हमारे अभिभावक हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सिक्किम समेत समूचे पूर्वोत्तर में तेजी से विकास हो रहा है।

सीएम गोले ने कहा कि कहा कि छह जिला और सात लाख की आबादी वाला सिक्किम छोटा प्रदेश है, लेकिन इसका क्षेत्रफल बड़ा है। फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की 65 बड़ी कंपनियां वहां दवाओं का उत्पादन कर रही हैं। आप भी आ सकते हैं। वहां 2028 तक टैक्स होलिडे का लाभ मिलेगा। यह पांच साल के लिए और बढ़ने वाला है। सिक्किम में शांति है। लाइसेंस भी आसानी से मिल जाएगा। हम सौ प्रतिशत आर्गेनिक खेती कर रहे हैं। फर्टिलाइजर पर प्रतिबंध है। दो लीटर से कम वाले प्लास्टिक बोतल पर भी प्रतिबंध है। सरकारी डेयरी को दूध बेचने पर आठ रुपये प्रति लीटर इन्सेंटिव मिलेगा। इन्सेंटिव का प्रविधान के बाद राज्य में प्रति दिन दूध उत्पादन 30 हजार लीटर से बढ़कर 60 हजार लीटर पर पहुंच गया है। बिहार ने राज्यपाल के रूप में हमें एक ऐसा अनुभवी व्यक्ति दिया है, जिसके नेतृत्व में सिक्किम का चौतरफा विकास हो रहा है।

सीएम गोले ने टैली कोर्स करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री गोले ने चैंबर के कौशल विकास केंद्र के टैली कोर्स करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट बांटते समय उन्होंने एक छात्र से उसका जिला पूछ लिया। छात्र ने कहा- छपरा। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा- छपरा जिला घर बा त कवन बात के डर बा।

हिन्दी पर कही बड़ी बात : उन्होंने कहा कि हिन्दी मैं सीख रहा हूं। अभी अच्छी तरह से नहीं बोल पाता हूं। सीख इसलिए रहा हूं कि हिन्दी संपर्क भाषा है। यह हमें एक सूत्र में पिरोती है। बंगाली, गुजराती, मराठी, तमिल अगर एक जगह हों, तो हिन्दी ही है कि सबको जोड़ती है।

वहीं इस दौरान मुख्यमंत्री गोले ने सिक्किम में निवेशक सम्मेलन आयोजित होने की जानकारी देते हुए बिहार के उद्योगपतियों एवं निवेशकों को अपने यहां आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने सिक्किम सरकार द्वारा निवेशकों को हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बागडोगरा से गया के बीच शुरू हो विमान सेवा : सीएम

बोधगया में भव्य मंदिर बनवाएगी सिक्किम सरकार, महाबोधि मंदिर पहुंचे सीएम गोले ने जताई इच्छा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 जुलाई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज शनिवार को विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर पहुंचे। जहां महाबोधि मंदिर के मुख्य पुजारी भिक्षु चालींदा और सिक्किम मंदिर के मुख्य पुजारी ने पवित्र खादा देकर उनका स्वागत किया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर भगवान बुद्ध के समक्ष पूजा अर्चना की। वही बोधिवृक्ष के पवित्र छांव में पहुंचकर कुछ देर ध्यान साधना किया। लगभग 40 मिनट तक पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर के बाहर निकले।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए का कि बीटीएमसी को मैं बहुत धन्यवाद देता हूं, जो मुझे आज यहां भगवान बुद्ध का दर्शन कर पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने केंद्र सरकार से बागडोगरा से गया तक विमान सेवा शुरु करने का आग्रह करते हुए केंद्र सरकार को पत्राचार किया है। मुख्य रूप से ठंड के महीने में बड़ी संख्या में सिक्किम के बौद्ध धर्मावलंबी बोधगया की यात्रा करते हैं। मुख्यमंत्री गोले ने बोधगया में पत्रकारों से बात करते हुए इस आशय की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्मावलंबियों की सुविधा के लिए सिलीगुड़ी से बोधगया तक बस सेवा भी शुरू हो यह भी हमारी सरकार की इच्छा है। उन्होंने कहा कि सिक्किमवासियों के सुख-शांति के लिए भगवान बुद्ध से प्रार्थना किया।

उन्होंने आगे कहा कि सिक्किम सरकार चाह रही है कि बोधगया में भी अपना एक मंदिर हो। उसके लिए बिहार सरकार से बातचीत चल रही है, बहुत जल्द ही सिक्किम का भी एक बड़ा सा मंदिर बोधगया में होगा। सिक्किम और बिहार के बीच आत्मीय संबंध का उल्लेख करते हुए सीएम गोले ने कहा कि यहां आकर मुझे काफी खुशी हो रही है। उसके बाद सिक्किम के मुख्यमंत्री कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर सिक्किम मन्दिर वापस चले गए।

इस अवसर पर गया एसडीओ इंद्रवीर कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बोधगया अजय प्रसाद, अंचलाधिकारी बोधगया कमलनयन कश्यप, बोधगया थाना प्रभारी रूपेश कुमार सिन्हा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सोरेंग में स्वाधीनता दिवस समारोह की हुई शुरुआत

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 30 जुलाई । आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत सिक्किम में राज्यव्यापी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सोरेंग जिलान्तर्गत सोरेंग स्कूल मैदान में भी आज 76वें स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। गौरतलब है कि नया जिला बनने के बाद सोरेंग में यह पहला स्वाधीनता दिवस आयोजन है। ऐसे में इसका भव्य आयोजन किया गया है। इस दौरान पुरुष वर्ग की ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता के अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगलिंग स्पोर्टिंग क्लब तथा सोरेंग जिला प्रशासनिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस 76वें स्वाधीनता दिवस समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह ततोब की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा तामंग मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। उनके साथ ही कार्यक्रम में समारोह समिति के संरक्षक एवं क्षेत्रीय विधायक आदित्य गोले, विधायिक सुनीता गजमेर, विधायक केएस लेप्चा, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष देविका सुब्बा, खेलकूद एवं युवा मामलों के सलाहकार एमएन सुब्बा, कृषि एवं बागवानी बोर्ड अध्यक्ष सीके राणा, सूचना प्रौद्योगिकी अध्यक्ष नवराज गुरूंग, सिक्किम संगीत नाटक व नृत्य व फिल्म बोर्ड अध्यक्ष पूजा शर्मा, पावर एडवाइजरी बोर्ड अध्यक्ष मिंग्मा लामा भूटिया, सिक्किम खादी व उद्योग बोर्ड की अध्यक्ष छुंगछुंग भूटिया के अलावा जिला एवं ग्राम पंचायत सदस्य, पूर्व सैनिक, सोरेंग के अतिरिक्त जिलापाल धीरेन सुबेदी एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संस्थाओं, सिंगलिंग स्पोर्टिंग क्लब एवं सत्ताधारी एसकेएम पार्टी के प्रतिनिधिगण, विद्यार्थी एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

आज से शुरू हुए इस समारोह की फुटबॉल प्रतियोगिता में सिक्किम एवं इसके बाहर की कुल 18 टीमें हिस्सा ले रही हैं। फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम को पांच लाख और उपविजेता टीम को तीन लाख रुपये एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया जायेगा। वहीं फाइनल मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कार स्वरूप हीरो होंडा स्प्लेंडर 200 मोटरसाइकिल प्रदान किया जायेगा। आज प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में माझीटार सिक्किम ने 11 जीआरआरसी लखनऊ को 6-1 गोल से पराजित कर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। वहीं उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त जिलापाल धीरेन सुबेदी, विधायक सुनिता गजमेर, विधायक आदित्य गोले एवं मुख्य अतिथि शारदा तामंग ने अपना संक्षिप्त वक्तव्य रखा। आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह से सम्मानित भी किया गया।

एसडीएम ने किया भूस्खलन प्रभावित इलाकों का किया दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 30 जुलाई । पाकिम महकमा के विभिन्न भूस्खलन प्रभावित इलाकों का आज एसडीएम छिरिंग नोर्गयाल ढिंग एवं उनकी टीम ने निरीक्षण किया। गौरतलब है कि रात भर हुई मूसलाधार बारिश के कारण महकमे के विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण क्षति हुई है।

आज प्रभावित इलाकों में प्रशासनिक टीम के दौरे के दौरान भी पांचे खोला क्षेत्र में बड़े-बड़े पत्थर गिरते पाये गये। इस दौरान टीम ने साइट इंजीनियर तथा सड़क विभाग के अधिकारियों को भूस्खलन प्रभावित इलाकों से मलबे और पेड़ों की साफ-सफाई का निर्देश दिया। वहीं भूस्खलन से धानुके में एक घर के पूरी तरह से तबाह होने के कारण उसके मालिक राजा प्रधान को 1,01,900 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि दी गयी। इसके लिये भवन विभाग के इंजीनियरों द्वारा इलाके के पादम प्रधान और राजा प्रधान के क्षतिग्रस्त घरों के नुकसान का आंकलन किया गया। इस अवसर पर एनएचआईडीसीएल के साइट इंजीनियर एवं डीआरए मैनेजर भी उपस्थित थे।

वहीं इसके अलावा रोराथांग-पाकिम हाईवे में 3-4 स्थानों पर भी भूस्खलन होने की खबरें हैं। इसके लिये एनएचआईडीसीएल को मलबा हटाने तथा आमलोगों के घरों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा दीवार बनाने का निर्देश दिया गया है।

जानकारी के अनुसार रोराथांग बाजार में खोला की ओर जाने वाले झोरा भी भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई है और यह 2 लाख लीटर वाली जल टंकी के काफी करीब पहुंच गयी है। इसके कारण रोराथांग बाजार निवासियों पर खतरा मंडरा रहा है। इसके लिये एनएचआईडीसीएल को उच्चतम प्राथमिकता के साथ झोरा की मरम्मत करने को कहा गया है। वहीं दौरे के दौरान एसडीएम पाकिम ने वन विभाग को भूस्खलने के कारण उखड़े एवं खतरनाक स्थिति में पहुंचे अन्य पेड़ों की पहचान करने को कहा।

इसी तरह नामचेबुंग के राई गांव वार्ड में कुछ घरों को भूस्खलन के कारण बड़ी क्षति हुई है। वहां प्रभावितों में तिरपाल का वितरण किया गया है और उनसे एनसी के अधीन सुरक्षा दीवार हेतु आवेदन करने को कहा गया है। एसडीएम पाकिम ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों, एनएचआईडीसीएल, डीआरए तथा एनडीआरएफ को तैयार रहने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने बीडीओ से भी सभी वार्ड पंचायतों के साथ समन्वय रखने और भूस्खलन प्रभावित इलाकों में घरों में तिरपाल का वितरण करने को कहा है।

एसएसबी ने आयोजित किया हर घर तिरंगा अभियान

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 30 जुलाई । पश्चिम सिक्किम जिलान्तर्गत देन्ताम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आज सशस्त्र सीमा बल की 72वीं बटालियन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को लेकर एक सभा के साथ ही जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी सूरत गुरुंग, मानेबुंग देन्ताम क्षेत्र के प्रभारी पूर्ण हांग सुब्बा, महकमा अधिकारी एनके कार्की, खंड विकास अधिकारी बसंत तमांग, अतिरिक्त कमांडेंट हरि मोहन मीणा के अलावा पंचायत सदस्यगण, विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्य, विद्यालय के शिक्षक-विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एसएसबी के अतिरिक्त कमांडेंट हरि मोहन मीणा ने इसके उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए उपस्थित लोगों को हर घर तिरंगा अभियान के बारे में जागरूक किया और 13 से 15 अगस्त तक आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 75वें स्वाधीनता दिवस के आयोजन के दौरान हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की बात कही। इसके साथ ही कार्यक्रम में वॉकाथन भी हुआ। एसएसबी कमांडेंट ने देन्ताम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मैदान में हर घर तिरंगा के नारे के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जानकारी दी।

वहीं अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी सूरत गुरुंग ने अभियान में केंद्र सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए राज्य सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान की सफलता हेतु युद्धस्तर पर कार्य किये जाने की जानकारी दी। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी वक्तव्य रखा।

सभी कसाईखानों में न्यूनतम परिचालन मानदंड जरूरी : पी सेंथिल कुमार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 जुलाई । राज्य के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के तहत सिक्किम लाइवस्टॉक प्रोसेसिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की बोर्ड बैठक शुक्रवार को गंगटोक एएचवीएस मुख्यालय में सम्पन्न हुई। इसकी अध्यक्षता पशुपालन व पशु चिकित्सा सचिव डॉ. पी सेंथिल कुमार ने की।

इस अवसर पर नाबार्ड महा प्रबंधक संजय कु गुप्ता, पशुपालन निदेशक डॉ. माला बजगाईं, एमएंडक्यूसी निदेशक डॉ. कर्मा टी भूटिया, अतिरिक्त पोल्ट्री निदेशक डॉ. डीपी प्रधान के अलावा वित्त व योजना विभाग के प्रतिनिधि, प्रबंध निदेशक डॉ. सुनिता जोशी गजमेर एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि लोगों को गुणवत्तापूर्ण पशु प्रोटीन उपलब्ध कराने, पशुपालन किसानों को एक मजबूत बाजार सहयोग मुहैया कराने तथा वैज्ञानिक रुप से स्वच्छ कसाईखाने स्थापित कर एक बेहतर मांस क्षेत्र विकसित करने के उद्देश्य के साथ सिक्किम कम्पनी कानून, 1961 के तहत 1988-89 में गंगटोक, एसएलपीडीसी की स्थापना की गयी थी।

इस दौरान प्रबंध निदेशक डॉ. सुनीता जोशी गजमेर राज्य माझीटार, मल्ली एवं गयाबा में कसाईखानों की स्थिति के साथ ही एसएलपीडीसी की गतिविधियों की मौजूदा स्थिति, प्रगति एवं भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं इस दौरान एसएलपीडीसी के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों को मंजूरी दी गयी। इसके साथ ही बैठक में माझीटार, मल्लीडारा तथा गयाबा, गेजिंग में आधुनिक कसाईखाने के जारी कार्यों की समीक्षा की गयी और इसे पूरा करने में सरकारी सहयोग का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा एसएलपीडीसी की वित्तीय मजबूती हेतु बोर्ड सदस्यों द्वारा कई सुझाव एवं विचार भी पेश किये गये। इस पर नाबार्ड जीएम ने ग्रामीण ढांचागत विकास फंड से वित्तीय सहयोग की संभावना जतायी।

पशुपालन सचिव डॉ. पी सेंथिल कुमार ने यहां अपने वक्तव्य में राज्य के सभी कसाईखानों को न्यूनतम परिचालन मानदंड के साथ एसएलपीडीसी प्रबंधन के अंतर्गत लाने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने आवश्यक सुविधाओं के साथ कसाईखानों की बेहतरी हेतु सरकारी की ओर से नाबार्ड द्वारा धनराशि मुहैया कराने की दिशा में अधिकारियों को एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने को कहा। वहीं एएच निदेशक, अतिरिक्त गुणवत्ता नियंत्रण निदेशक ने राज्य के कसाईखानों से सम्बंधित (शेष पृष्ठ ०३ पर)

अब भारत लेने वाला नहीं, देने वाला देश बन गया : नड्डा

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा कार्यकारणी की बैठक में शामिल होने पटना पहुंचे। पटना पहुंचकर जेपी नड्डा ने रोड शो किया। रोड शो के बाद जेपी पटना के होटल मोर्या में ग्राम संसद का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि अब भारत लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला देश बन गया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि ग्राम स्वराज की जो कल्पना महात्मा गांधी जी ने रखी थी। उसको वैचारिक पृष्ठभूमि पर अमलीजामा पहनाते हुए एक रूप देने का काम भारतीय जनसंघ और भाजपा के नेताओं ने किया है। कांग्रेस ने कभी कोऑपरेटिव फार्मिंग की बात की, कभी कलेक्टिव फार्मिंग की बात की। लेकिन किसान, गांव, गरीब की अन्तरात्मा को पहचानने के विषय में उनकी सोच कहीं न कहीं पीछे रह गई और ग्राम स्वराज की कल्पना को साकार करने में वो असफल रहे।

सिर्फ अपने कॉलेज आया हूं, इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं : नड्डा

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को बिहार दौरे पर राजधानी पटना पहुंचे। यहां बीजेपी अध्यक्ष अपने पूर्व कॉलेज में सम्मान सह संवाद कार्यक्रम के दौरान पहुंचे। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में पटना कॉलेज के छात्रों ने सफलता का परचम लहराया है। यहां हर सत्र से आईएएस व आईपीएस निकलते थे। कॉलेज के गुरुओं से मुझे हमेशा प्रेरणा मिलती रही है। वहीं कुछ छात्रों के विरोध की जाने पर उन्होंने कहा कि यह वाइब्रेंट डेमोक्रेसी की पहचान है। उनकी जो भी मांगें हैं, मैं प्रयास करूंगा कि उसे पूरा किया जाय। मेरा उद्देश्य यहां सिर्फ अपने कॉलेज व गुरुजनों के दर्शन करना था, इसलिए मैं कॉलेज में आया हूं। इसका राजनीति से कोई भी लेना देना नहीं है। कॉलेज से सम्मान के बाद छात्र, शिक्षकों के साथ संवाद में कहा कि मुझे गर्व है कि मैं इस कॉलेज का छात्र हूं।

वहीं इस मौके पर सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इस कॉलेज को ऑक्सफोर्ड ऑफ बिहार कहा जाता था। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं, कॉलेज के दिन फिर से बदलेंगे। ऐसी मुझे आशा है। जो भी संभव प्रयास होगी, हमलोग करेंगे। पटना विवि के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने विवि की समस्याओं को सामने रखा। उन्होंने कहा कि कॉलेज में जगह की काफी कमी है। कई-कई शिफ्टों में क्लास चलते हैं।

रविशंकर ने कहा कि विवि में ऐसा कोई हॉल अब तक नहीं है कि जहां दीक्षांत समारोह कराया जा सके। उन्होंने कहा कि कॉलेज के आपलोग छात्र रहे हैं। कॉलेज बीमार है, उसके लिए जो संभव हो करें। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार ने कॉलेज की एक पुरानी ग्रुप फोटो को फ्रेम करा जेपी नड्डा को भेंट की और सभी अतिथियों का स्वागत किया।

बता दें कि मौके पर प्रो. आरपी राही, प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री आशीष सिन्हा व विक्की राय, सिंडिकेट सदस्य पप्पू वर्मा, नीतीश कुमार टनटन, असिस्टेंट परीक्षा नियंत्रक मनोज कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे।

पटना कॉलेज पहुंचे जेपी नड्डा का लेफ्ट संगठन आइसा ने किया विरोध, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। शनिवार को पटना कॉलेज पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) के कार्यकर्ताओं ने जेपी नड्डा के को घेरकर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

आइसा कार्यकर्ता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को वापस लेने और पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा देने की मांग को लेकर जेपी नड्डा को घेरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 'जेपी नड्डा वापस जाओ' के नारे लगाने शुरू कर दिए।

कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए जेपी नड्डा को घिरा देख उनके सुरक्षाकर्मियों ने धक्का देकर प्रदर्शनकारियों को बाहर निकाला। जेपी नड्डा ने पटना कॉलेज से ही पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया है और उनके पिता भी पटना यूनिवर्सिटी में ही नौकरी किया करते थे। पटना यूनिवर्सिटी में जेपी नड्डा के विरोध को चलते बिहार की सियासत गर्मा गई है। बिहार में बीजेपी-जेडीयू की गठबंधन सरकार है।

इस घटना को लेकर आइसा ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा है कि नीरज यादव, आदित्य रंजन और अन्य के साथ आइसा के राज्य इकाई के संयुक्त सचिव कुमार दिव्यम ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। रिलीज में आगे कहा गया कि आइसा का मानना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अमानता को बढ़ावा देने का एक जरिया है। आइसा ने ये भी कहा है कि सरकारी संस्थानों की मुकाबले निजी संस्थानों की संख्या में वृद्धि से सामाजिक न्याय के विचार को नुकसान होगा जैसा कि आरक्षण और अन्य नीतियों के माध्यम से लागू किया गया है।

नड्डा ने सभी मोर्चों को दिया टास्क, आम लोगों को हर तरीके से सरकार से जोड़ें

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा आज पटना पहुंचे थे। सुबह 11 बजे पटना एयरपोर्ट से बाहर निकल कर तय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद वे पटना में ज्ञान भवन में बीजेपी के सभी 7 मोर्चों की संयुक्त कार्यकारणी की बैठक में भाग लेने पहुंचे। 2 दिन चलने वाले इस कार्यक्रम का आज पहला दिन था। पहले दिन के कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी मोर्चों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सभी मोर्चों के कामों का आकलन किया और आगे कैसे लोगों से ज्यादा से ज्यादा जुड़ा जाए इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं को जरूरी सुझाव दिए।

आज दिन के कार्यक्रम के बाद बीजेपी ने एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। इस प्रेस कांफ्रेंस को राष्ट्रीय महामंत्री डी पुरंदेश्वरी और अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्या ने संबोधित किया।

डी पुरंदेश्वरी ने बताया कि ये एक ऐतिहासिक बैठक हुई है। इस बैठक में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मोर्चों के गतिविधियों का आकलन किया। आगे का कार्यचरण कैसा रखना है इसके बारे में विस्तार से बताया। हमारी पार्टी अपने सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है। हमें परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से उपर उठने की जरूरत है। हम कार्यकर्ताओं के विश्वास और जनता के आशीर्वाद से यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि मोर्चों का काम है आम लोगों से सरकार को हर तरीके से जोड़ना। हर मोर्चे का काम है अपने अपने क्षेत्र में लोगो से मिले उनकी समस्याओं का आकलन करे और उसके स्थाई समाधान के लिए जो भी जरूरी हो वो करें। ताकि लोगो का भरोसा हम पर बने रहे।

लाल सिंह आर्या ने कहा कि पटना लोकतंत्र की रक्षा करने वाला और शिक्षा की धरती है। उन्होंने कहा कि जब भारत में एक संविधान है एक कानून है तो फिर हम तुष्टिकरण के आधार पर नही विकाश के आधार पर हमारी पार्टी आगे बढ़ने वाली है। इसी आधार पर चल कर हम जीरो से यहां तक पहुंचे है। सही नीतियों और साफ मन का ही कारण ही बीजेपी को लोग आज चुनाव जीतने की मशीन मानने लगें है।

स्कूलों में जुमे की छुट्टी पर विवाद से बिहार एनडीए में तनातनी

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। सीमांचल के कई सरकारी स्कूलों में रविवार के बजाय शुक्रवार को छुट्टी के मामले में बिहार एनडीए में एक बार फिर तकरार सामने आई है। बीजेपी जहां उर्दू मीडियम स्कूलों में जुमे की छुट्टी पर आपत्ति जता रही है। वहीं, नीतीश कुमार की जेडीयू और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) ने इसका समर्थन करते हुए, इसे मुद्दा बनाने से इनकार कर दिया है। इस मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

हालांकि शिक्षा विभाग के सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह विवाद बिहार और झारखंड की सरकारों को हाल ही में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी एक नोटिस के चलते पैदा हुआ। आयोग ने सरकारों से पूछा कि क्या शुक्रवार की छुट्टी के लिए सरकार की ओर से ऐसा कोई आदेश जारी किया गया था?

जैसे ही यह मुद्दा मीडिया में आया स्थानीय बीजेपी नेता इसपर आपत्ति जताने लगे। बीजेपी का आरोप है कि शिक्षा में धर्म घुसाया जा रहा है। यह व्यवस्था गलत है। हालांकि इस मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुप्पी साधे रखी है। मगर जेडीयू के नेता बीजेपी नेताओं के खिलाफ मुखर हैं।

जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि राजनेताओं को हर छोटी-छोटी बातों का बवंडर नहीं बनाना चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि संस्कृत महाविद्यालयों में भी हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर महीने की प्रतिपदा और अष्टमी तिथियों को छुट्टी होती है।

एनडीए में शामिल 'हम' के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा कि शुक्रवार को स्कूल बंद रहने से लोगों के पेट में दर्द क्यों होता है? क्या छात्रों के अभिभावकों ने शिकायत की है? पढ़ाई प्रभावित नहीं हो रही है। अन्य जगहों की तरह ऐसे स्कूलों में सप्ताह में छह दिन कक्षाएं चल रही हैं। जुमे की छुट्टी पर क्या दिक्कत है, जम्मू-कश्मीर में भी इस दिन शिक्षण संस्थान बंद रहते हैं।

बता दें कि सीमांचल क्षेत्र में आने वाले किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार जिले में 500 से ज्यादा सरकारी स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी रहती है और रविवार को कक्षाएं चलती हैं। ये सभी स्कूल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में हैं और इनमें पढ़ने वाले अधिकतर बच्चे भी मुस्लिम हैं।

दिलचस्प बात यह है कि नीतीश सरकार में शामिल बीजेपी नेता इस विवाद में कूदने से बच रहे हैं। डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग इस मामले में जरूरी जांच और कार्रवाई करेगा। इसमें हमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

मशहूर होने के लिए मेरी नकल करते हैं नित्यानंद : तेजप्रताप यादव

वैशाली, 30 जुलाई (का.सं.)। बिहार की सियासत में दो यादव क्षत्रपों के बीच सियासी बयानबाजी जारी है। लालू परिवार और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय एक दूसरे पर बयानों और आरोपों के तीर दाग रहे हैं। तेजस्वी यादव ने नित्यानंद राय पर ये आरोप लगा कर सनसनी मचा दिया था कि मंत्री बनने से पहले नित्यानंद राय आरजेडी में शामिल होना चाह रहे थे।

नित्यानंद राय ने तेजस्वी और लालू परिवार को झूठा बताते हुए यादव समाज का दुश्मन बता दिया था। इस लड़ाई में अब लालू के दूसरे बेटे तेजप्रताप यादव ने भी एंट्री मार दी है। उन्होंने नित्यानंद राय का मजाक भी उड़ाया है।

तेजप्रताप यादव ने शनिवार को कहा कि नित्यानंद राय उनकी नकल कर मशहूर होना चाहते हैं। दरअसल, नित्यानंद राय ने पिछले दिनों गाय का दूध निकालते एक फोटो शेयर किया था। इसको लेकर तेजप्रताप यादव ने नित्यानंद राय का मजाक उड़ाया है। तेजप्रताप यादव ने कहा कि दूध निकालने वाले नित्यानंद राय को पता नहीं होगा कि गाय में कितनी देवी-देवता का वास होता है। नित्यानंद राय बस मेरी कॉपी करते है।

लालू परिवार को झूठा बताने वाले नित्यानंद राय के बयान पर तेजप्रताप यादव ने नित्यानंद राय को सबसे बड़ा झूठा बताया है। तेजप्रताप यादव वैशाली के महुआ में एक कार्यक्रम में शामिल होने निकले थे।

इस दौरान हाजीपुर में पत्रकारों ने उन्हें रोक नित्यानंद को लेकर सवाल किया तो तेजप्रताप यादव नित्यानंद राय पर भड़कते दिखे। लेकिन, जब लालू के करीबियों पर ईडी की रेड को लेकर तेजप्रताप से सवाल हुआ तो तेजप्रताप चुपचाप खिसक लिए।

स्कूल की कक्षा में हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप, बाल-बाल बची छात्रों की जान

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक स्कूल की कक्षा से हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। कक्षा में पड़े हुए हैंड ग्रेनेड को सबसे पहले स्कूल के ही छात्रों के एक समूह ने देखा था। स्कूल की कक्षा तक हैंड ग्रेनेड कैसे पहुंचा इस बात की पुख्ता जानकारी अभी तक सामने नहीं आ पाई है। स्कूल में विस्फोटक मिलने के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल भी बन गया है।

घटना को लेकर पुलिस निरीक्षक अजय सिदंकर ने कहा, सांगली जिले के कुडनूर गांव में एक मराठी माध्यम के स्कूल में हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ है। हैंड ग्रेनेड पर कुछ छात्रों की नजर उस समय पड़ी जब खेल के दौरान उनकी गेंद खिड़की के जरिए अंदर चली गई। हैंड ग्रेनेड होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस बम निरोधक दस्ते के साथ तुरंत स्कूल पहुंच गई। साथ में खोजी कुत्ते भी थे।

स्कूल की कक्षा से हैंड ग्रेनेड को बाहर निकालकर बम पुलिस व बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से उसका निस्तारण कर दिया। बता दें कि स्कूल राज्य के स्कूल में हैंड ग्रेनेड बरामद होने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले साल 2017 में कुडनूर में दो बम मिले थे। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में जांच में जुटी है कि आखिरी स्कूल की कक्षा तक हैंड ग्रेनेड पहुंचा कैसे? क्या उसे छिपाकर रखा गया था या फिर लोगों के बीच में दहशत फैलाने की किसी की कोई साजिश तो नहीं है।

अस्पताल से वापस तिहाड़ जेल लौटा यासीन मलिक, अभी भी कर रहा खाने से इनकार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को तिहाड़ जेल लौट आया है। मलिक को ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव के बाद यहां राममनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी।

अधिकारियों ने कहा कि मलिक शुक्रवार शाम को जेल लौटा। अधिकारियों ने कहा कि उसने कुछ भी खाने से इनकार कर दिया है और अभी भी आईवी फ्ल्यूड (ड्रिप लगाकर यानी नलियों के जरिए तरल पदार्थ दिया जाना) पर है। मलिक को ब्लड प्रेशर की दिक्कत के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने अस्पताल के डॉक्टरों को एक पत्र सौंपा था, जिसमें कहा गया था कि वह इलाज नहीं कराना चाहता।

प्रतिबंधित जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख मलिक ने बीती 22 जुलाई को उस समय अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी, जब केंद्र ने रुबैया सईद के अपहरण मामले में जम्मू की एक अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने देने की उसकी अर्जी स्वीकार नहीं की। मलिक इस मामले में आरोपी है।

मलिक को तिहाड़ की जेल संख्या सात में उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में अकेले रखा गया था। कोठरी से उसे जेल के चिकित्सा जांच कक्ष में ले जाया गया, जहां उसे आईवी फ्ल्यूड दिया गया। मलिक टेरर फंडिंग के एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

सीतलवाड़-श्रीकुमार की जमानत याचिका खारिज

अहमदाबाद, 30 जुलाई (एजेंसी)। गुजरात 2002 के दंगों के मामलों में गलत सबूत गढ़ने के आरोपी सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ व पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार को कोर्ट ने शनिवार को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

इन दोनों को 2002 के दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर सबूत गढ़ने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त प्रमुख न्यायाधीश डी. डी. ठक्कर ने कहा कि दोनों आदेश खारिज किए जाते हैं।

दोनों को अहमदाबाद शहर की अपराध शाखा ने भारतीय दंड संहिता की धारा 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 194 (दोषी साबित करने के इरादे से झूठे सबूत देना या गढ़ना) के तहत गिरफ्तार किया था।

मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपने हलफनामे में आरोप लगाया है कि वे गुजरात में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को अस्थिर करने के लिए कांग्रेस के दिवंगत नेता अहमद पटेल के इशारे पर की गई एक बड़ी साजिश का हिस्सा थे।

इसमें आरोप लगाया गया है कि 2002 की गोधरा ट्रेन जलाने की घटना के तुरंत बाद पटेल के कहने पर सीतलवाड़ को 30 लाख रुपये का भुगतान किया गया था।

एसआईटी ने दावा किया कि श्रीकुमार एक असंतुष्ट सरकारी अधिकारी थे, जिन्होंने पूरे गुजरात राज्य के निर्वाचित प्रतिनिधियों, नौकरशाही और पुलिस प्रशासन को गुप्त उद्देश्यों के लिए बदनाम करने के वास्ते प्रक्रिया का दुरुपयोग किया।

सिंधिया का ऐलान- बोकारो, जमशेदपुर और दुमका में भी बनेंगे एयरपोर्ट्स

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। दिल्ली और देवघर के बीच आज पहली सीधी उड़ान शुरू होने के बाद अब केंद्र सरकार ने झारखंड में तीन और एयरपोर्ट बनाने का ऐलान किया है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को दिल्ली और देवघर के बीच पहली सीधी उड़ान को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि सरकार झारखंड के तीन और शहरों में एयरपोर्ट बनाने पर काम कर रही है।

बजट एयरलाइन इंडिगो दिल्ली और देवघर के बीच दैनिक उड़ानें संचालित करेगी। शनिवार को दिल्ली से देवघर के बीच पहली उड़ान की कप्तानी भाजपा नेता और पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने की थी।

इंडिगो अपने ए320 नियो, 180-सीटर ट्विन टर्बोफैन इंजन यात्री विमान को इस रूट पर तैनात करेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नई सेवा के साथ देवघर से प्रतिदिन 11 प्रस्थान उड़ानें होंगी।

देवघर एयरपोर्ट का निर्माण 400 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था, जिससे यह रांची के बाद झारखंड का दूसरा हवाई अड्डा बन गया है।

सिंधिया ने विज्ञप्ति में कहा कि हम झारखंड में तीन और हवाई अड्डों - बोकारो, जमशेदपुर और दुमका पर भी काम कर रहे हैं - इससे झारखंड में हवाई अड्डों की कुल संख्या 5 हो जाएगी। हमने झारखंड को जोड़ने वाले 14 नए मार्गों की घोषणा की है।

14 रूटों में से कोलकाता और दिल्ली से देवघर के लिए उड़ानें शुरू हो गई हैं। आने वाले दिनों में देवघर को रांची और पटना से जोड़ दिया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही हम दुमका को रांची और कोलकाता से जोड़ेंगे। बोकारो हवाईअड्डा बनने के बाद इसे पटना और कोलकाता से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम एक अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्थल है और मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरे मंत्रालय ने लाखों तीर्थयात्रियों को देवघर जाने में मदद की है।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत, 425 मार्गों, 68 हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और वाटरड्रोम का संचालन किया गया है। शनिवार को देवघर के लिए उड़ान को सिंधिया और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) ने हरी झंडी दिखाई।

विचाराधीन कैदियों की रिहाई में लाएं तेजी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्याय की सुगमता को जीवन की सुगमता जितना ही महत्वपूर्ण बताया। पीएम ने न्यायपालिका से आग्रह किया कि वह तमाम जेलों में बंद एवं कानूनी मदद का इंतजार कर रहे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया में तेजी लाये। मोदी ने अखिल भारतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहली बैठक को संबोधित करते हुए यहां कहा कि नागरिकों का न्यायपालिका पर बहुत भरोसा है और किसी समाज के लिए न्याय प्रणाली तक पहुंच एवं न्याय दिया जाना समान रूप से जरूरी है। इस सम्मेलन में प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह आजादी के अमृत काल का समय है। यह ऐसे संकल्प लेने का समय है, जो आगामी 25 साल में देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएं। देश की इस अमृत यात्रा में व्यवसाय करने की सुगमता और जीवन की सुगमता जितनी महत्वपूर्ण है, न्याय की सुगमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने विचाराधीन कैदियों के मानवीय मामलों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता के बारे में कई बार बात की है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) विचाराधीन कैदियों को कानूनी सहायता मुहैया कराने की जिम्मेदारी ले सकते हैं।

मोदी ने कहा कि जिला न्यायाधीश विचाराधीन मामलों की समीक्षा संबंधी जिला-स्तरीय समितियों के अध्यक्ष के रूप में विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी ला सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने विचाराधीन कैदियों की रिहाई संबंधी मुहिम चलाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की सराहना की और बार काउंसिल ऑफ इंडिया से इस प्रयास में और अधिक वकीलों को जोड़ने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा 2020 में प्रकाशित जेल सांख्यिकी भारत रिपोर्ट के अनुसार, जेल में 4,88,511 कैदी हैं, जिनमें से 76 प्रतिशत या 3,71,848 कैदी विचाराधीन हैं। मोदी ने राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में कानूनी सहायता के स्थान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसकी महत्ता देश की न्यायपालिका पर नागरिकों के भरोसा से प्रतिबिम्बित होती है। प्रधानमंत्री ने कहा, किसी समाज के लिए न्याय प्रणाली तक पहुंच जितनी जरूरी है, न्याय दिया जाना भी उतना ही जरूरी है। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे का भी अहम योगदान है। पिछले आठ साल में देश के न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए तेज गति से काम किया गया है।

उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी और वित्तीय प्रौद्योगिकी में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करते हुए जोर दिया कि न्यायिक कार्यवाहियों में और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ई-कोर्ट मिशन के तहत देश में डिजिटल अदालतें शुरू की जा रही हैं। अदालतों ने यातायात उल्लंघन जैसे अपराधों के लिए चौबीसों घंटे काम करना शुरू कर दिया है। लोगों की सुविधा के लिए अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रेंस संबंधी बुनियादी ढांचे का भी विस्तार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक करोड़ से अधिक मामलों की सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा, इससे साबित होता है कि हमारी न्यायिक प्रणाली न्याय के प्राचीन भारतीय मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही 21वीं सदी की वास्तविकताओं के अनुसार स्वयं को ढालने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, एक आम नागरिक को संविधान में दिए अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में पता होना चाहिए। उन्हें अपने संविधान और संवैधानिक ढांचों, नियमों और उपायों के बारे में पता होना चाहिए। प्रौद्योगिकी इसमें भी एक बड़ी भूमिका निभा सकती है।

नालसा द्वारा आयोजित डीएलएसए की दो दिवसीय बैठक शनिवार को यहां शुरू हुई। इसके उद्घाटन सत्र में मोदी और न्यायमूर्ति रमण के अलावा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश यू यू ललित एवं न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, विधि मंत्री किरेन रीजीजू और विधि राज्य मंत्री एस पी एस बघेल भी मौजूद थे। इस दौरान उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों (एसएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष और डीएलएसए के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

इस सम्मेलन में सभी डीएलएसए के बीच एकरूपता लाने और समन्वय स्थापित करने के लिये एक एकीकृत प्रक्रिया के निर्माण पर विचार किया जाएगा। पीएमओ ने कहा कि देश में कुल 676 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हैं। इन प्राधिकरणों का नेतृत्व जिला न्यायाधीश द्वारा किया जाता है, जो इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। डीएलएसए और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) के माध्यम से नालसा विभिन्न विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम कार्यान्वित करता है। डीएलएसए, नालसा द्वारा आयोजित लोक अदालतों को विनियमित करके अदालतों पर बोझ को कम करने में भी योगदान करते हैं।

बिहार के स्कूलों में शुक्रवार की छुट्टी पर बोले गिरिराज सिंह- ये शरिया कानून है

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। बिहार के सीमांचल इलाके में कुछ स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार छुट्टी होने का मामला बिहार में राजनीतिक तूल पकड़ गया है। सभी पार्टियों के नेता इसको लेकर अपने पक्ष का बयान भी दे रहे हैं। इसी बीच भाजपा नेता, बेगूसराय से सांसद व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले में तीखा बयान दिया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी ठीक नहीं है। गिरिराज सिंह ने इस शरिया कानून बताया।

नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री और बीजेपी के फायरब्रांड नेता ने कहा कि रविवार की जगह स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी होना ठीक नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि यह शरिया का कानून है। उन्होंने आगे कहा कि हर स्कूल में एक समान रविवार को ही छुट्टी होनी चाहिए।

आपको बता दें कि किशनगंज समेत कई जिलों के स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी होने के मामले में राजनीति गर्म है। बिहार सरकार ने इस मामले में जांच का आदेश दे दिया है, साथ ही इस मामले की एक रिपोर्ट भी मांगी है। दूसरी ओर, इस मामले में भाजपा की गठबंधन साथी नीतीश कुमार की जेडीयू के कई नेताओं के बोल इस मामले में बीजेपी से मेल नहीं खा रहे हैं। जदयू एमएलसी खालिद अनवर तो ये तक कह चुके हैं कि अगर लोग ऐसा चाहते हैं कि शुक्रवार को छुट्टी हो तो इसमें फिर किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

जेपी नड्डा का पटना में मेगा रोड शो, जय श्रीराम के नारों से गूंजी सड़कें

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को मेगा रोड शो किया। बीजेपी संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शिरकत करने आए नड्डा ने पटना एयरपोर्ट से रोड शो के जरिए गांधी मैदान स्थित जेपी गोलबंर पहुंच रहे हैं। पटना एयरपोर्ट पर उनका बीजेपी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद हजारों कार्यकर्ता मोटरसाइकिल पर सवार होकर जेपी नड्डा के काफिले के साथ चलने लगे। इस दौरान भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगने लगे।

पटना एयरपोर्ट से निकलने के बाद कुछ दूरी पर आकर जेपी नड्डा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद रथ में सवार होकर वे जेपी गोलंबर के लिए निकल पड़े। नड्डा के स्वागत के लिए कई जगहों पर स्टेड और स्वागत द्वार लगाए गए। लोगों की ओर से पुष्पवर्षा की गई। रोड शो में जेपी नड्डा के साथ प्रदेशाध्यक्ष संजय जायसवाल, रविशंकर प्रसाद, मंत्री नितिन नवीन समेत बिहार बीजेपी के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। बीजेपी संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को बिहार में शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। बीजेपी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए रोड शो का आयोजन किया। जानकारों के मुताबिक बिहार में एक दशक में पहली बार बीजेपी का इतना भव्य आयोजन हो रहा है। ऐसे में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

इसे लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। देशभर से आए बीजेपी के सभी मोर्चों के नेता ने दो दिन राज्य के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया और केंद्र की नरेंद्र मोदी एवं राज्य की नीतीश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया।

रंगली मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. की वार्षिक आम बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 30 जुलाई। स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ के आयोजन को लेकर आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में शुक्रवार को रंगली महकमा में रंगली मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. की वार्षिक आम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। बैठक की अध्यक्षता रंगली एमपीसीएस के अध्यक्ष ने की। वहीं इसमें ज्वॉयंट आरसीएस एवं उनकी टीम, सिस्को बैंक प्रबंधक, बीडीओ के अध्यक्ष तथा रंगली एमपीसीएस के प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बीओडी सहकारिता पर चर्चा हुई एवं 2021-22 की ऑडिट रिपोर्ट पेश की गयी। वहीं सोसाइटी को उच्च लाभ होने पर बधाई दी गयी। ज्वॉयंट आरसीएस ने इस अवसर पर कोऑपरेटिव मार्ट, केसीसी लोन, डेड्स लोन एवं सोसाइटी की बेहतरी हेतु अन्य भावी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं इस दौरान पूर्व सिस्को शाखा प्रबंधक को विदाई सम्मान दिये जाने के साथ ही नये सिस्को बीएम का स्वागत किया गया।

नए सिस्को बीएम ने यहां बैंक लोन योजना के साथ कैश केंद्र, कैश क्रेडिट एवं अन्य योजनाओं के बारे में बताया। दोनों प्रबंधकों ने आगामी दिनों में सोसाइटी को पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

वहीं इस दौरान गरीब तबके को दिये जाने वाले 300 रुपये के सरकारी शेयर 10 परिवारों में बांटे गये।

इसके साथ ही एमपीसीएस की ओर से सरकार को 19800 रुपये और सदस्यों को 198209 रुपये के डिविडेंड एवं बोनस का वितरण भी किया गया। बैठक के दौरान एक खुली चर्चा भी हुई, जहां सदस्यों ने अपने विभिन्न सवाल रखे और अतिथियों ने उनका जवाब दिया।

बिहार की 243 सीट लड़ने की तैयारी में जेडीयू : ललन सिंह

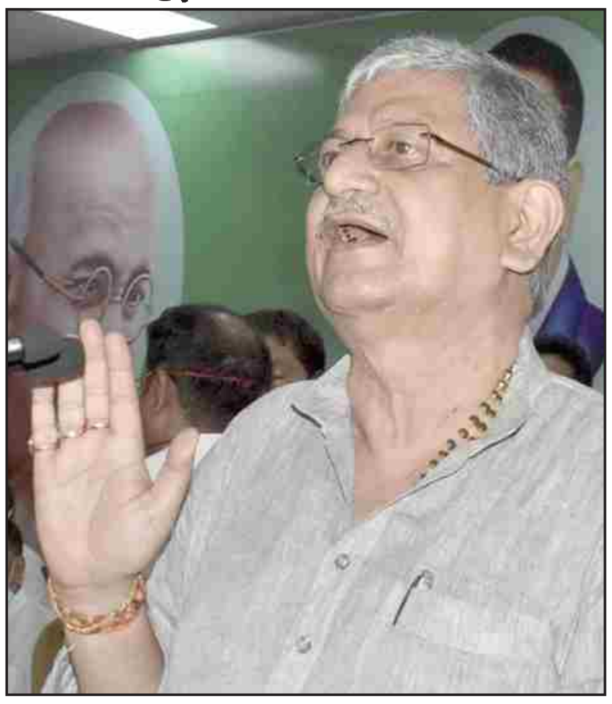

पटना, 30 जुलाई (का.सं.)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि जेडीयू बिहार विधानसभा की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। यही नहीं ललन सिंह ने ये भी कहा कि बिहार में एनडीए महागठबंधन का अगर कोई नेता है तो सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष दिवंगत चंदेश्वर बिंद को श्रद्धांजलि देने जहानाबाद पहुंचे ललन सिंह ने कहा- लोग कुछ भी कहते रहें, मुख्यमंत्री की कोई वैकेंसी नहीं चल रही है। विरोधियों की तरह-तरह की बयानबाजी से एनडीए गठबंधन को कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने ये भी कहा कि पार्टी के लोग अगर अनर्गल बयानबाजी करेंगे तो उनपर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पटना में रोड शो को लेकर ललन सिंह ने कहा कि प्रत्येक दल को अपने राजनीतिक गतिविधियां चलाने की स्वतंत्रता है। कोई भी पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए भी स्वतंत्र है। उन्होंने कहा- जेपी नड्डा से तो प्रतिदिन भेंट मुलाकात होती है, मेरा कार्यक्रम जहानाबाद में चंदेश्वर बिंद के घर आने का था। इस दौरान उनके साथ सांसद चनेश्वर प्रसाद चद्रवंशी, जदयू जिलाध्यक्ष राहुल कुमार, टेकारी के पूर्व विधायक अभय कुशवाहा, निरंजन केशव प्रिंस, शशिभूषण कुमार उर्फ गोपाल जी भी मौजूद थे।

गौरतलब है कि शनिवार को पटना में भारतीय जनता पार्टी की संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हो रहे हैं। खास बात ये है कि पटना में होने के बावजूद जेपी नड्डा और अमित शाह की नीतीश कुमार से मुलाकात नहीं होगी। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार की तबीयत खराब है। हाल ही में उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव आई है जिसके चलते वो किसी से नहीं मिलेंगे। जेडीयू का कहना है कि अगर सीएम नीतीश कुमार की तबीयत ठीक रहती तो वो जरूर जेपी नड्डा और अमित शाह से मिलते।

सभी कसाईखानों में ......

विभिन्न मुद्दों के समाधान हेतु कदम उठाने का सुझाव दिया।

इसके बाद बैठक में बोर्ड की ढांचागत स्थिति में सुधार कर इसे और प्रभावी बनाने की दिशा में सुधार पर विस्तृत चर्चा की गयी। चेयरमैन डॉ. सेंथिल कुमार ने एसएलपीडीसी प्रबंधन को राज्य के पोल्ट्री किसानों तथा आमलोगों की सुविधा हेतु मल्लीडारा पोल्ट्री प्रोसेसिंग यूनिट को तीन महीनों में चालू करने की दिशा में कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने माझीटार के सुअर कसाईखाने को भी जल्द से जल्द परिचालन में लाने को कहा। इसके साथ ही बैठक में मांस पैकेजिंग तथा फ्रोजन मीट की बिक्री पर भी चर्चा की गयी। इसके अलावा भी बैठक में इसे लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:187 DrawDate on:29/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 92B 20532
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 20532 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12436 21242 25299 31140 33730 57353 60278 61707 68827 75811
3rd Prize ₹450/-
2824 2935 4024 4143 4530 5253 5919 6507 9378 9480
4th Prize ₹250/-
0208 1744 4057 4075 4547 5534 5688 6482 7027 7477
5th Prize ₹120/-
0263 0583 0603 0729 0793 0858 0883 1107 1119 1206
1293 1363 1388 1428 1486 1517 1543 1558 1608 1694
1713 1832 1888 1973 2021 2111 2151 2805 2845 3047
3462 3719 3762 3775 3847 3899 4041 4124 4170 4358
4413 4479 4581 4583 4638 4753 4793 4920 5632 5694
5704 6019 6035 6078 6101 6310 6324 6448 6473 6528
6533 6547 6549 6639 6670 6688 6785 6799 6852 6883
7191 7233 7239 7248 7513 7656 7670 7923 7981 8133
8318 8354 8611 8868 8913 9015 9049 9165 9174 9223
9273 9277 9429 9450 9702 9772 9933 9938 9967 9984
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:187 DrawDate on:30/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 46D 49737
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 49737 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09306 12499 12854 14068 39736 56250 57772 72776 85092 97613
3rd Prize ₹450/-
0455 2191 2446 4091 6352 7812 7894 7940 8320 9940
4th Prize ₹250/-
1025 1695 2457 3161 3889 4198 6278 6281 9450 9851
5th Prize ₹120/-
0019 0042 0204 0226 0315 0445 0523 0622 0693 0755
0871 0907 0921 0989 1105 1513 1588 1593 1600 1641
1789 1825 1826 1929 2046 2137 2142 2153 2165 2198
2294 2307 2407 2667 2944 3229 3283 3348 3494 3686
3766 3959 4013 4049 4157 4219 4457 4638 4708 4722
4923 4937 5083 5090 5206 5304 5334 5335 5445 5614
5939 6047 6170 6410 6551 6566 6940 7144 7159 7338
7401 7420 7521 7553 7594 7809 7965 8072 8106 8163
8200 8255 8305 8316 8584 8592 8595 8700 9084 9132
9281 9345 9400 9506 9558 9563 9608 9873 9903 9968
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:29/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 84A 02065
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 02065 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
20524 34559 45504 45695 56530 71718 73527 77730 84989 86014
3rd Prize ₹450/-
1933 3239 3355 3480 3644 4073 5955 7633 9320 9493
4th Prize ₹250/-
0003 2877 2878 4151 5320 6015 6911 7060 8333 9373
5th Prize ₹120/-
0035 0270 0322 0366 0369 0531 0619 0676 1002 1057
1059 1200 1249 1325 1476 1492 1600 1612 1708 1820
1886 2123 2139 2277 2279 2301 2328 2452 2457 2570
2609 2687 2768 2770 2807 2910 3073 3078 3146 3157
3403 3450 3973 4024 4067 4141 4219 4437 4595 4634
4974 4979 5036 5050 5386 5635 5772 5868 5999 6114
6149 6217 6322 6507 6547 6617 6684 6730 6788 6837
6856 6864 6919 7026 7108 7141 7231 7265 7480 7650
7656 7744 7752 7972 8099 8238 8301 8314 8569 8698
8785 8902 9146 9175 9229 9414 9457 9537 9543 9823
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:30/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85A 20973
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 20973 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00546 13364 52522 52883 67538 69507 72247 75483 89229 91479
3rd Prize ₹450/-
1527 3987 4377 4445 4776 5586 6262 7446 9079 9155
4th Prize ₹250/-
0131 3917 5263 7037 7868 8004 8843 9171 9325 9463
5th Prize ₹120/-
0092 0233 0252 0431 0659 0849 0915 0999 1098 1125
1243 1252 1288 1619 1952 1973 2041 2303 2337 2407
2578 2602 2659 2751 2836 2966 3007 3162 3199 3277
3331 3513 3530 3548 3737 3761 3789 3976 4008 4041
4077 4517 4559 4896 4945 5012 5031 5064 5107 5147
5182 5253 5259 5496 5568 6057 6058 6066 6117 6215
6219 6270 6279 6282 6342 6360 6398 6432 6481 6608
6620 6710 6747 6792 6889 6918 6957 7114 7379 7449
7781 8087 8220 8263 8268 8292 8293 8543 8621 8780
8886 8887 8935 9009 9100 9354 9398 9761 9864 9872
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:29/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 95H 22734
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 22734 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00135 06660 17262 31391 44552 72462 73434 83075 83774 95012
3rd Prize ₹450/-
0454 1844 3199 4079 6152 6462 8113 8750 8847 9055
4th Prize ₹250/-
0249 1734 5373 5482 5797 7498 8083 9144 9311 9832
5th Prize ₹120/-
0003 0236 0288 0415 0582 0696 0699 0733 0786 0816
0924 0967 1552 1566 1604 1695 1736 1755 1811 1813
1897 2046 2073 2162 2166 2319 2355 2358 2587 2615
2750 2776 2994 2998 3019 3169 3209 3271 3332 3499
3738 3778 3943 4111 4132 4148 4219 4374 4441 4443
4507 4546 4607 4697 4761 4815 5002 5413 5650 5935
6041 6212 6301 6384 6553 6568 6576 6603 6657 7009
7013 7028 7177 7264 7305 7315 7327 7504 7511 7668
7673 7748 7895 8048 8137 8184 8494 8607 8623 8769
8972 8975 9129 9204 9569 9599 9601 9863 9979 9994
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:87 DrawDate on:30/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85C 79219
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 79219 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09497 13628 14676 47699 49442 55725 68002 78401 85128 86093
3rd Prize ₹450/-
0475 1148 1614 2118 2548 2706 3115 6575 6998 7479
4th Prize ₹250/-
1809 1988 3148 5539 6464 7804 8657 9200 9748 9986
5th Prize ₹120/-
0148 0355 0437 0446 0723 0782 0784 0846 0887 1097
1202 1279 1414 1527 1801 1825 1846 2267 2315 2329
2512 2520 2557 2648 2660 2771 2848 2893 2918 2963
3307 3318 3633 3646 3691 3711 3776 3808 3854 3857
3920 3930 4122 4437 4453 4517 4567 4754 4807 4915
5015 5174 5193 5201 5268 5269 5430 5534 5569 5672
5704 5737 5792 5908 5920 5943 6150 6559 6576 6615
6648 6683 7002 7005 7149 7188 7224 7244 7370 7446
7461 7613 7701 7769 7856 8208 8221 8233 8296 8582
8605 8704 9024 9196 9259 9270 9582 9736 9812 9851
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

सुरक्षित हो हवाई यात्रा

नागरिक उड्डयन क्षेत्र की नियामक एजेंसी डीजीसीए ने एक बजट एयरलाइंस को अपनी उड़ानें 50 फीसदी तक सीमित रखने का निर्देश दिया है। यह निर्देश उस एयरलाइंस के विमानों में पाई गई तकनीकी गड़बडियों की घटनाओं और स्पॉट चेकिंग के दौरान पाई गई कमियों के मद्देनजर जारी की गई है। पिछले कुछ समय से एक के बाद एक आती विभिन्न एयरलाइंस के विमानों में तकनीकी गड़बड़ियों की खबरों से हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसी सप्ताह नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा को बताया कि 1 जुलाई 2021 से 30 जून 2022 की एक साल की अवधि में ऐसे 478 मामले दर्ज किए गए। इन बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर उड्डयन क्षेत्र की नियामक एजेंसी डीजीसीए ने पिछले दिनों स्पॉट चेक की प्रक्रिया शुरू की जिससे रखरखाव की समस्या की बात सामने आई। डीजीसीए के मुताबिक कई मामलों में ऐसा पाया गया कि विमान में जो गड़बड़ियां थीं उनके कारणों की सही पड़ताल नहीं हो पाई। साफ है कि एयरलाइंस में अच्छी तरह प्रशिक्षित, कुशल और अनुभवी स्टाफ की कमी है। डीजीसीए ने एयरलाइंस से सेफ्टी प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करके 28 जुलाई तक रिपोर्ट देने को कहा था। डीजीसीए के मुताबिक एयरलाइंस ने उन गड़बड़ियों को ठीक कर लिया है। लेकिन गौर करने की बात है कि डीजीसीए ने जिस दिन आदेश जारी किया था उसके अगले ही दिन तकनीकी गड़बड़ियों के दो और मामले सामने आ गए। इसमें हैरत की कोई बात नहीं है क्योंकि यह स्थिति न तो दो दिन में बनी है और न रातोरात ठीक की जा सकती है।

आखिर भारत में 2010 से ही स्टेट सेफ्टी प्रोग्राम है जिसके तहत एयर सेफ्टी से जुड़ी सारी गाइडलाइन अच्छी तरह परिभाषित हैं। डीजीसीए के सेफ्टी ऑडिट भी नियमित तौर पर चलने वाली प्रक्रिया का हिस्सा हैं। इसलिए नियामक और एयरलाइंस के बीच संवाद भी बना ही रहता है। ऐसे में तकनीकी गड़बड़ियों की शिकायतों में इस कदर इजाफा समझ में नहीं आता है। निश्चित रूप से यह समस्या गंभीर है और इस पर लगातार काम करने की जरूरत है। बहरहाल, उड्डयन काफी संभावनाशील क्षेत्र माना जा रहा है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मुताबिक 2027-28 तक पैसेंजर फ्लो 54 करोड़ से ऊपर चले जाने की उम्मीद है। यह कितनी बड़ी बढ़ोतरी है इसका अंदाजा हमें तब होता है जब यह देखते हैं कि महामारी से पहले पैसेंजर फ्लो 20 करोड़ था। सरकार भी अपने स्तर पर इस क्षेत्र को आगे बढ़ने में सहयोग दे रही है चाहे मामला कोविड के बाद सीटों की संख्या बढ़ाने का हो या डोमेस्टिक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग पर जीएसटी रेट 18 फीसदी से 5 फीसदी करने की। मगर ये संभावनाएं तभी फलित हो सकती हैं जब उड़ानों की सुरक्षा के मोर्चे पर लोग पूरी तरह आश्वस्त महसूस करेंगे। इसीलिए एयरलाइंस हो या डीजीसीए इस मुद्दे पर किसी तरह की रियायत नहीं दी जा सकती।

संपादकीय पृष्ठ

जवानों की दिक्कतों को समझना होगा

सुशील देव

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल ने कार में खुद को गोली मारी। क्राइम ब्रांच की शकरपुर यूनिट में थे, पत्नी से था विवाद।

राजस्थान के जोधपुर में सीआरपीएफ के एक जवान ने करीब 17 घंटे तक अपने परिवार को बंधक बनाकर रखा। बालकनी से फायरिंग करता रहा और बाद में खुद को गोली मार ली। हनुमानगढ़ जिले के भिरानी थाना क्षेत्र में सुरक्षाकर्मी ने खुद को गोली मार ली। कुछ दिनों से वह तनावग्रस्त था। भाजपा के रायपुर कार्यालय में तैनात सुरक्षाकर्मी ने भी खुद को गोली मार ली। मानसिक तौर पर परेशान अभी छुटटी बिताकर काम पर लौटा था। जालंधर के एक विधायक के सुरक्षाकर्मी ने भी खुद को गोली मार ली। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर, डीआरडीओ परिसर में या नार्थ ब्लाक की सिक्योरिटी में लगे जवान ने जिस प्रकार गोली मारकर आत्महत्या कर ली। ऐसी खबरें हमें झकझोरकर रख देती हैं।

आखिर, सुरक्षाकर्मी आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? ऐसी घटनाएं बराबर सुनने को मिल रही हैं। आखिर उनमें किस बात का गुस्सा या तनाव है, जो अपनी जीवन की लीला ही खत्म कर लेने पर मजबूर कर देता है? ये बेहद दुखद और चिंतनीय है। क्या वे इन गुस्से को पचा नहीं पा रहे, कई गंभीर सवाल हैं जिनकी हमारे समाज और सरकार को पड़ताल करनी होगी। दरअसल, इसके मूल में जाने की जरूरत है। कहते हैं कि सैन्य और असैन्य बलों में खुद्कुशी के मामले बढ़ने का मूल कारण इनका परिवार, दोस्तों और सगे-संबंधियों से दूर रहना भी है। इन्हें छुट्टी कम मिलती है। इस वजह से बेहद तनाव में रहते हैं। कई घटनाओं में सैन्य बलों में कार्यरत साथियों का आपसी विवाद भी इसका कारण बनता है। सैन्य बलों में कठोर अनुशासन होता है जिसके लिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। मगर कई बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिसके कारण व्यक्ति खुद पर काबू नहीं रख पाता। समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह समस्या आगे और विकराल हो सकती है।

अवसाद की वजह परिवार की जरूरतों को समय पर पूरा न कर पाना भी है। चाहते हुए भी माता-पिता और बच्चों से न मिल पाना अंदर उन्हें कुंठित कर देता है और इसी निराशा के कारण वह खुदकुशी करने जैसा कदम उठा लेता है। कई बार तो तनाव के चलते वह अपने ही सहयोगियों पर हमलावर हो जाता है। भारत में सुरक्षाकर्मियों या सैनिकों की आत्महत्या के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। मानसिक तनाव, परिवार से दूरी, आर्थिक संकट इस माहौल के लिए जिम्मेदार हैं। सरकार को इन सब समस्याओं को उपचारात्मक समाधान करना चाहिए। हमारे जवान कोई मशीन नहीं बल्कि जीते-जागते इंसान हैं। इनकी भी संवेदनाएं होती हैं, जरूरतें होती हैं और पारिवारिक दायित्व होते हैं। उन्हें निभाने का भी दबाव होता है। ऐसे में नौकरी को लेकर सब कुछ सहज नहीं होता है तो उनमें तनाव बढ़ना स्वाभाविक है।

भावुक और संवेदनशील इंसान ऐसी परिस्थितियों में विचलित हो जाते हैं। मानसिक तनाव या अवसाद के शिकार बन जाते हैं जो बाद में उन्हें इस प्रकार के कदम उठाने को मजबूर कर देता है। सरकार को उनकी पारिवारिक जरूरतों पर भी ध्यान देना चाहिए। हमारे जवान मानसिक तनाव के शिकार न हों, इसका खास ख्याल रखा जाना चाहिए। सुविधा और अनुशासन को लेकर समय-समय पर सरकार को उनकी समीक्षा भी करनी चाहिए। लंबे समय तक परिवार से दूर रहने वाले जवान न तो अपनी व्यक्तिगत समस्याएं आपस में साझा कर पाते हैं और न ही किसी तरह की काउंसिलिंग की व्यवस्था होती है। इसके लिए उनकी सुनवाई और समाधान की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए। बेरोजगारी और बेकारी ने भी आत्महत्या की दर को बढ़ाया है। सोशल मीडिया भी इसका जिम्मेदार है। कई तरह की सामग्री या सूचनाओं के संसार ने लोगों के चित्त को असंतुलित कर दिया है। छोटे-मोटे रोजगार-धंधे चौपट हो गए। लोगों में सहनशक्ति और धैर्य की कमी हो गई।

अति महत्त्वाकांक्षा के चलते अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले 10 सालों में देश में अर्धसैनिक बलों के 1,205 कर्मियों ने आत्महत्या कर ली। बीते संसदीय सत्र के दौरान केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने यह बात कही। इनमें सर्वाधिक मामले वर्ष 2021 में देखने को मिले। यानी पिछले एक दशक में किसी भी वर्ष की तुलना में 2020 और 2021 में कहीं अधिक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने आत्महत्या के चलते जान गंवाई। उन्होंने बताया कि घरेलू समस्याएं, बीमारी और आर्थिक समस्याएं आत्महत्या के कुछ प्रमुख कारण हैं। ज्यादातर घटनाएं सख्त कामकाजी परिस्थितियों, पारिवारिक मुद्दों और जरूरत पर छुटटी न मिल पाने के कारण हुई हैं। हालांकि उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधाओं के स्तर पर सरकार द्वारा कई सकारात्मक पहल किए जाने की भी खबर है।

पार्थ को लेकर दुविधा में ममता

जयंत घोषाल

पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का नेतृत्व बुरी तरह घिर गया है। इसके पहले भी तृणमूल के कुछ नेता जेल गए हैं, विभिन्न घोटालों में उनके नाम सामने आए, लेकिन पिछले दस साल में ममता बनर्जी के सामने शायद ही इस बार जैसा संकट सामने आया। इस बार सुर्खियों में न सिर्फ एक वरिष्ठ मंत्री हैं, बल्कि एक अभिनेत्री के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी चर्चा गरम है। इस प्रकरण ने पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है। आम जनता में इसका नकारात्मक संदेश गया है, खासकर 20 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी ने लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। ऐसे में, पार्थ चटर्जी को पार्टी से बाहर करना ममता बनर्जी के लिए मजबूरी बन गया है, और संभवत: वह इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं, मगर इस काम में वह इतना अधिक समय क्यों ले रही हैं? क्या दुविधा है उनकी?

ममता की दुविधा का सबसे बड़ा कारण यह है कि पार्थ कोई आम राजनेता नहीं हैं। वह सरकार में नंबर दो की हैसियत रखते थे और तीन-तीन अहम मंत्रालय उनके जिम्मे था। तृणमूल के संस्थापक सदस्यों में भी वह एक हैं। वह पार्टी की अनुशासनात्मक कमेटी के भी अध्यक्ष रहे हैं। ऐसे वरिष्ठ और महत्वपूर्ण नेता को पार्टी से निकालने का क्या असर होगा, इस पर संभवत: दीदी मंथन कर रही होंगी। हालांकि, इस बीच पार्टी के मुखपत्र जागो बांग्ला के संपादक पद से पार्थ को हटा दिया गया है। मंगलवार को कैबिनेट मंत्री की उनकी गाड़ी भी ले ली गई। जाहिर है, धीरे-धीरे उनसे हर चीज छीनी जा रही है।

इस पूरे घटनाक्रम से तृणमूल की छवि को धक्का लगा है, लेकिन ममता वकीलों से भी राय ले रही हैं। उनकी यह भी एक सोच होगी कि क्या पार्थ के निष्कासन से भाजपा शांत हो जाएगी? शायद ऐसा न हो। अगर पार्थ से इस्तीफा लिया जाता है, तो मुमकिन है कि भाजपा उत्साहित होकर ममता के इस्तीफे की मांग करे। संसद में हमने देखा है, खासकर कांग्रेस के जमाने में, किस तरह भ्रष्टाचार के मसले पर प्रधानमंत्री तक के इस्तीफे की मांग हुई। बोफोर्स मामले में जब तत्कालीन विदेश मंत्री माधव सिंह सोलंकी का इस्तीफा लिया गया, तब विपक्ष और अधिक आक्रामक होकर प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से पद त्यागने की मांग करने लगा था। ममता को अंदेशा है कि यदि पार्थ को बाहर का रास्ता दिखाया, तो संभव है कि राज्य में शुभेंदु अधिकारी से लेकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उन पर हमलावर हो जाए। यही वजह है कि वह पार्थ चटर्जी के मामले में फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही हैं।

पार्टी महिला अभिनेत्री के घर से पैसे मिलने और पार्थ चटर्जी से जुडे. मामले को अलग-अलग चश्मे से देख रही है। उसके मुताबिक, पार्थ तो पार्टी सदस्य हैं, लेकिन वह अभिनेत्री नहीं। उसने यह बात स्वीकार भी की है।

मगर प्रवर्तन निदेशालय के सामने उसने कथित रूप से यह भी माना है कि वह पार्थ के पैसे रखती थी। इसका मतलब है कि पार्थ उसके निशाने पर हैं। तृणमूल की सोच यह है कि संभव है, पार्थ को हनी ट्रैप करके फंसाया गया हो। हालांकि, कहा जा रहा है कि शिक्षा सचिव ने भी ईडी अधिकारियों के सामने पार्थ का नाम लिया है, जिससे सियासी हवा बदल चुकी है।

बहरहाल, आज ममता बनर्जी कैबिनेट की बैठक कर रही हैं, जिसके बारे में अटकलें हैं कि इसमें मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की जाएगी, मगर सियासी विश्लेषक मान रहे हैं कि इसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि ईडी ने एक अन्य मंत्री परेश अधिकारी को भी तलब किया है। चूंकि अभी लोकसभा चुनावों में डेढ़ साल और विधानसभा चुनाव में चार वर्ष की देरी है, इसलिए संभव है कि ममता ईडी कार्रवाई के बहाने साफ-सफाई कर अपनी पार्टी की छवि सुधार लें।

लेकिन भाजपा की रणनीति क्या है? वह पिछले कई वर्षों से पश्चिम बंगाल में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी इसी सूबे के थे, पर पार्टी यहां विकसित नहीं हो सकी, जिस बाबत लालकृष्ण आडवाणी ने कभी मेरे सामने भी चिंता जाहिर की थी। उस दौर में कलकत्ता नगर निगम के चुनाव में दो भाजपा पार्षदों की जीत पर लड्डू बांटे गए थे और खूब गुलाल उड़े थे।

मगर जो काम वाजपेयी-आडवाणी के समय नहीं हुआ, वह आज संभव हो रहा है। आज राज्य में भाजपा विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, और माकपा व कांग्रेस का बोरिया-बिस्तर समेट चुकी है। अमित शाह जब भाजपा अध्यक्ष बने थे, तब उन्होंने कहा था कि भाजपा अखिल भारतीय पार्टी तभी बन सकेगी, जब पूर्व और दक्षिण भारत में इसकी पकड़ होगी। पूर्वोत्तर में तो पार्टी ने सरकार बना ली है, लेकिन पश्चिम बंगाल में उसका यह सपना पूरा नहीं हो सका है। इसकी वजह यह है कि मोदी-शाह जैसे लोकप्रिय स्थानीय नेता राज्य में नहीं हैं।

ऐसे में, ममता बनर्जी के खिलाफ नकारात्मक राजनीति ही भाजपा की खुराक है, जिसकी उसे हरदम तलाश रहेगी। यह वही रणनीति है, जिसका इस्तेमाल कभी खुद ममता ने ज्योति बसु के खिलाफ किया था। उस समय बतौर मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने पीडब्ल्यूडी मंत्री जतिन चक्रवर्ती को पद से बेदखल कर दिया था, तो क्या ममता बनर्जी पार्थ को लेकर वही साहस जुटा पाएंगी? इसका सवाल तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतिहास खुद को दोहरा रहा है। चूंकि ममता की छवि आज भी बेदाग है, इसलिए भाजपा उनकी छवि पर हमला करने के लगातार प्रयास कर रही है। वह ममता के खिलाफ एक महौल बनाना चाहती है। राजनीति में इस तरह की हवा काफी मददगार होती है।

हालांकि, भाजपा की राह आसान नहीं है। ममता ने जनहित के काफी काम किए हैं और जनता से उनका जुड़ाव अब भी कायम है। बुधवार को हुगली जिले में एक औद्योगिक इकाई के उद्घाटन के लिए वह सड़क मार्ग से पहुंचीं।

वह दरअसल आंकना चाहती थीं कि जनता उन पर कितना भरोसा करती है? दीदी के इंतजार में लोग बारिश में भींगते हुए खड़े थे। चूंकि ममता पर अब तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, इसलिए उनके लिए इस मामले से बाहर आना बहुत मुश्किल नहीं होगा। जाहिर है, शह और मात का यह खेल आसान नहीं है। मगर भाजपा भी 2021 की हार से सबक लेकर नई रणनीति के साथ मैदान में डटी है।

अकाउंट एग्रीगेटर : लाभकारी सिद्ध होगा

सतीश सिंह

वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार सभी बैंकों को 31 जुलाई तक अकाउंट एग्रीगेटर व्यवस्था से जुड़ना होगा। वैसे, कुछ वित्तीय संस्थान इस प्रणाली का हिस्सा पहले ही बन चुके हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक इस व्यवस्था से जुड़ चुके हैं, जबकि भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक, बैंक आफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जुलाई महीने के अंत तक इस व्यवस्था से जुड़ जाएंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2016 में अकाउंट एग्रीगेटर के परिचालन के लिए एनबीएफसी को मंजूरी दी थी, लेकिन तुरत-फुरत इस दिशा में अग्रतर कार्रवाई नहीं की जा सकी। पुन: वर्ष 2021 के सितम्बर महीने से इस दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश वित्त मंत्रालय ने वित्तीय संस्थानों को दिया। अब इसने सभी वित्तीय संस्थानों को इस व्यवस्था से 31 जुलाई 2022 तक जुड़ने के लिए कहा है।

निजी क्षेत्र में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक आदि पहले ही इस व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। मौजूदा समय में 54 वित्तीय संस्थान, जिनमें निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), बीमा कंपनी, इश्योरेंस ब्रोकर, स्टॉक ब्रोकर आदि इसव्यवस्था से जुड़ चुके हैं। इतना ही नहीं, अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क से जुड़ने वाले कुछ वित्तीय संस्थानों ने वाहन और लघु व्यवसाय क्षेत्र में 250 करोड़ का ऋण वितरण भी कर दिया है। अभी तक वित्तीय सूचना प्रदाताओं (एफआईपी) ने 2.48 लाख खातों को अकाउंट एग्रीगेटर प्रणाली से जोड़ दिया है।

अकाउंट एग्रीगेटर व्यवस्था के तहत वित्तीय संस्थानों के बीच वास्तविक समय में एनक्रिप्टेड आंकड़ों का आदान-प्रदान किया जाता है। अकाउंट एग्रीगेटरकी संरचना डेटा एंपावरमेंट एंड प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (डीईपीए) फ्रेमवर्क पर आधारित है। डीईपीएएक ऐसा आर्किटेक्चर है, जो उपयोगकत्र्ताओं को सुरक्षित रूप से आंकड़ों तक पहुंचने के रास्ते को आसान बनाता है साथ ही साथ यह तीसरे पक्ष के साथ आंकड़ों को साझा करना भी मुमकिन बनाता है। यह सारा कार्य ग्राहक की सहमति के आधार पर किया जाता है। इस व्यवस्था से निवेश और ऋण वितरण में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि फिलहाल ऋण लेने के लिए अनेक दस्तावेज बैंक में जमा करने पड़ते हैं, लेकिन जब ग्राहक के वित्तीय आंकड़े बैंक के पास पहले से ही उपलब्ध रहेंगे तो बैंक के लिए ऋण प्रस्ताव का विश्लेषण करना और ऋण देना दोनों आसान हो जाएगा। धन का प्रबंधन के लिए जरूरी है कि वित्तीय जानकारी एक जगह उपलब्ध हो, ताकि उसका विश्लेषण करके उससे अधिकतम लाभ लिया जा सके और अकाउंट एग्रीगेटर ऐसी सुविधा ग्राहकों को उपलब्ध कराएगा। अकाउंट एग्रीगेटरकी मदद से ग्राहकों का सत्यापित वित्तीय आंकड़ा बैंकों मिल सकेगा, जिससे बैंकों की लागत में कमी, ऋण के प्रवाह में तेजी और धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी आएगी।

ग्राहक से जुड़े वित्तीय जानकारी बैंकों को सुगमता से उपलब्ध होने से वे दूरदराज के वैसे लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) ग्राहकों को भी ऋण दे सकेंगे, जिन्हें पहले दूरी की वजह से या बैंक की शाखा नहीं होने की वजह से ऋण नहीं दिया जा रहा था।

वर्ष 2020 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस दिशा में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया था, जिनके अनुसार लाइसेंस प्राप्त अकाउंट एग्रीगेटरजमा स्वीकार कर सकता है और भुगतान भी कर सकता है। बैंकों को इसके लिए अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, लेकिन एनबीएफसी को ग्राहकों को भुगतान सेवा उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय बैंक से पहले मंजूरी लेनी होगी। फिलवक्त, अकाउंट एग्रीगेटर के रूप में कार्य करने का लाइसेंस कुछ एनबीएफसी, जैसे कैम्सफिनसर्व, फिनवीयू, वनमनी, एनईएसएल एसेट डेटा और अनुमति के पास उपलब्ध हैं। इसके अलावा, फोनपे, एनएसडीएल ई-गवर्नेस, टैली, योडली फिनसॉफ्ट और सीआरआईएफ कनेक्टआदि को भी भारतीय रिजर्व बैंक ने अकाउंट एग्रीगेटर का लाइसेंस देने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसी क्रम में भुगतान प्रदाताओं मसलन, रेजरपे, पाइन लैब्स, स्ट्राइप और 1पे आदि को भुगतान एग्रीगेटर के रूप में कार्य करने की सैद्धांतिक मंजूरी भी केंद्रीय बैंक द्वारा दी गई है। उल्लेखनीय है कि भुगतान एग्रीगेटर का लाइसेंस पाने के लिए रिजर्व बैंक के पास कई संस्थानों, जैसे, एमेजॉन, टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, फोनपे, भारतपे आदि ने आवेदन दे रखा है।

भुगतान एग्रीगेटर्स वैसी इकाइयों को कहते हैं, जो ई-कॉमर्स वेबसाइट और कारोबारियों को ग्राहकों की ओर से विभिन्न भुगतान माध्यमों से भुगतान स्वीकार करने की सुविधा मुहैया कराते हैं और इसके लिए कारोबारियों को खुद के लिए अलग से भुगतान एकीकरण करने की जरूरत नहीं होती है। रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार भुगतान एग्रीगेटर्स के पास मार्च 2021 तक 15 करोड़ रुपये और मार्च, 2023 तक 25 करोड़ रुपये शुद्ध पूंजी होनी चाहिए और तदुपरांत, उन्हें हमेशा अपने पास 25 करोड़ रुपये की पूंजी रखनी होगी। वर्तमान में ग्राहकों को वित्तीय सस्थानों से लेनदेन करने के क्रम में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इस प्रणाली से ग्राहकों की परेशानी कुछ कम होगी का अनुमान है।

अकाउंट एग्रीगेटर मौजूदा ईसीकेवाईसी, क्रेडिट ब्यूरो, सीकेवाईसी आदि संकल्पनाओं से अलग है, क्योंकि ये पहचान और ऋण इतिहास से जुड़े आंकड़े मुहैया कराते हैं, जबकि अकाउंट एग्रीगेटर बचत और चालू खाता के लेनदेन के आंकड़ों को साझा करने की अनुमति प्रदान करता है। आने वाले दिनों में यह पेंशन, प्रतिभूतियां, म्यूचुअल फंड आदि के आंकड़े भी वित्तीय संस्थानों को उपलब्ध कराएगा, जिसका फायदा ग्राहक और वित्तीय संस्थानों दोनों को मिल सकेगा। इस दृष्टिकोण से अकाउंट एग्रीगेटर व्यवस्था के विकसित होने से ग्राहकों की वित्तीय जानकारियों को जानना आसान हो सकेगा, जिससे वित्तीय संस्थानों को ऋण देने में आसानी होगी साथ ही साथ धोखाधड़ी की घटनाओं और वित्तीय संस्थानों की लागत में भी कमी आएगी।

मनी लॉन्ड्रिंग पर लगे रोक

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के सख्त प्रावधानों और इनके तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में मिले अधिकारों पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला दूरगामी प्रभाव वाला है। इस मामले पर सबकी नजरें सिर्फ इस वजह से नहीं थीं कि इससे बहुत सारे हाई-प्रोफाइल केस जुड़े हुए हैं। हालांकि यह तथ्य भी अपनी जगह महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उन 242 याचिकाओं के समूह पर सुनवाई करते हुए दिया है, जिनमें पीएमएलए के अलग-अलग प्रावधानों के औचित्य पर सवाल उठाया गया था। लेकिन इसकी सबसे खास बात यह थी कि इसमें न्याय शास्त्र के मूल सिद्धांतों से जुड़ी अहम मान्यताएं दांव पर थीं। उदाहरण के लिए, इस कानून के तहत लगाए गए आरोपों को साबित करने की जिम्मेदारी जांच एजेंसी की नहीं होती। आरोपी को ही यह साबित करना होता है कि वह बेकसूर है। दूसरे शब्दों में, जब तक अपराध साबित न हो जाए तब तक आरोपी को बेकसूर मानने वाली थियरी यहां बिल्कुल पलट जाती है। सवाल था कि क्या यह उचित माना जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अपराधी साबित होने से पहले तक बेकसूर माना जाना बेशक हर आरोपी का मानवाधिकार है, लेकिन संसद द्वारा बनाए गए कानून के जरिए कुछ खास मामलों में इसे निरस्त किया जा सकता है।

ऐसे ही एक और सवाल था कि जैसे पुलिस के लिए एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराना आवश्यक होता है, वैसे ही क्या ईडी के लिए भी यह जरूरी नहीं होना चाहिए कि गिरफ्तारी से पहले वह संबंधित व्यक्ति को ईसीआईआर (एन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट) की कॉपी उपलब्ध कराए। कोर्ट ने इस मामले में भी साफ किया कि ईसीआईआर की तुलना एफआईआर से नहीं की जा सकती। यह ईडी का एक आंतरिक दस्तावेज है, जिसे आरोपी के साथ साझा करना उसके लिए जरूरी नहीं है। ईडी गिरफ्तारी के वक्त संबंधित व्यक्ति को उसका आधार बता देती है तो यह काफी है।

ऐसे ही सुप्रीम कोर्ट ने कुर्की-जब्ती वगैरह से जुड़े ईडी के तमाम अधिकारों पर भी कैंची चलाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग आतंकवाद और ड्रग्स कारोबार से जिस अभिन्न रूप में जुड़ा है, उसके मद्देनजर इन मामलों को हलके में नहीं लिया जा सकता। वैसे भी ऐसा नहीं हो सकता कि हम राज्य या सरकार से तमाम गंभीर अपराधों पर अंकुश लगाने की उम्मीद तो करें, लेकिन संबंधित एजेंसियों को उसके लिए आवश्यक अधिकार देने को तैयार न हों।

अदरक उत्पादन तकनीक

जलवायु

अदरक गर्म एवं नम जलवायु में अच्छी तरह उगाया जाता है। इसकी खेती समुद्र तट से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर भी की जा सकती है। अदरक की खेती वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए बुवाई के समय मध्यम वर्षा, वृद्धि तक अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कटाई एवं एक महीना पहले शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है।

भूमि

अदरक विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। लेकिन इसकी खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

सुप्रभा, सुरूचि, सुरभि

अन्य किस्मों में वर्दा, हिमगिरी, महिमा, रेजाता आदि है।

भूमि की तैयारी

अदरक की अच्छी खेती के लिए भूमि को गर्मी के शुरू में अच्छी गहरी जुताई करके मिट्टी भुरभुरी बना ली जाती है।

बीज दर

अदरक का बीज प्रकंद होता है। बुवाई के लिए 2.5-5.0 सेमी लम्बे, 20-25 ग्राम वजन के जिनमें कम से कम 2-3 अंकुरित आंखें हो बोने के लिए उपयुक्त होते हैं। एक हैक्टेयर में बुवाई हेतु 15-20 क्विंटल प्रकंदों की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

अदरक के बीज प्रकंद को 30 मिनट तक मेंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर पानी के साथ उपचारित करके, 3-4 घंटे छायादार जगह पर सुखाते हैं।

बुवाई की विधि

वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए प्रकंदों की बुवाई के लिए 4 सेमी ऊंची, 1 मीटर चौड़ी तथा आवश्यकतानुसार लम्बी क्यारियों को तैयार कर बुवाई करते हैं। प्रकंदों को 15-20 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी की गहराई पर बो देते हैं। सिंचित क्षेत्रों में क्यारियों बनाकर उनमें 40 सेमी की दूरी पर मेड़ बना ली जाती है तथा 20-25 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी गहराई पर प्रकंदों की बुवाई कर देते हैं।

सिंचाई

बुवाई के समय पर्याप्त नमी रहे। अंकुरण के बाद शीघ्र सिंचाई कर दें। इसके बाद वर्षा होने तक नमी बनाये रखने के लिए 10-10 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहें।

निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अदरक की फसल में आवश्यकतानुसार 2-3 बार खरपतवार निकाल दें।

प्रकंदों की खुदाई

हरी अदरक के लिए इसकी खुदाई बुवाई के 180 दिन बाद करें तथा सूखी अदरक के लिए इसकी बुवाई के 240-260 दिन बाद तब पत्तियां पीली पड़ जाये तथा धीरे-धीरे सूखने लगे तब की जाये। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद फटने न पाये। पौधों को सावधानी पूर्वक फावड़े या कुदाली की सहायता से उखाड़ कर प्रकंद को जड़ और मिट्टी से अलग कर लेते हैं। खुदाई के बाद प्रकंद को अच्छी तरह पानी से धोकर एक दिन के लिए धूप में सुखा लें।

उपज

ताजा अदरक की उपज लगभग 15-25 टन/ हेक्टेयर प्राप्त होती है, जो सूखाने के बाद 20-25 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

भण्डारण बीज संग्रहण के लिए अदरक को पेड़ के नीचे छाया में गड्ढा खोदकर कंदों को इस प्रकार रखा जाता है कि इसमें हवा के लिए काफी जगह बनी रहे। बीज प्रकंदों को 0.3 प्रतिशत मेंकोजेब या रीडोमिल के घोल में 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। गड्ढों को गोबर से लेप देते हैं। फिर एक परत प्रकंद फिर 2 सेमी रेत/ बुरादा की परत में रखते हैं। इस तरह भरने के बाद ऊपर से गड्ढों को लकड़ी के तखते से ढक देते हैं। इन तख्तों को हवादार बनाने के लिए एक या दो छेद करते हैं।

पलवार

बुवाई के तुरंत बाद घास फूस पत्तों की पलवार बिछाना लाभप्रद रहता है। पलवार से मिट्टी का कटाव कम होता है। तथा भूमि में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है तथा भूमि में नमी भी संरक्षित रहती है। पलवार से खरपतवार भी कम उगते है। पहली पलवार बुवाई के समय तथा दूसरी व तीसरी पलवार 40 एवं 90 दिन बाद बिछायें। प्रथम पलवार के लिए 5-7 टन/ हैक्टेयर हरे पत्तों की आवश्यकता रहती है।

रबी प्याज उत्पादन तकनीक

सामान्यत

रबी मौसम में बुवाई अक्टूबर-नवम्बर माह में तथा रोपाई दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक की जाती है। यह मौसम प्याज की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह प्याज अधिकतर ग्रीष्मकाल में आने के कारण इसे ग्रीष्मकालीन प्याज भी कहते हैं। प्याज के अंतर्गत क्षेत्रफल का 60 प्रतिशत इसी मौसम में लगाया जाता है। महाराष्ट्र के कोकन का तटीय भाग, चंद्रपूर तथा भंडारा के क्षेत्र को छोड़कर संपूर्ण राज्य में रबी मौसम में प्याज की खेती होती है।

उत्तर भारत के सभी राज्यों में इसी मौसम में प्याज की खेती की जाती है। नवम्बर माह के अंत में लगायी फसल मार्च-अप्रैल में निकाली जाती है। इस समय पत्तियाँ अच्छी तरह सूखती है तथा अच्छी तरह सूखा हुआ प्याज अधिक समय भण्डारित होता है। रबी प्याज की रोपाई में जितनी देर होती है, उतनी ही उपज घटती है तथा प्याज का आकार छोटा रह जाता है। रबी प्याज लगाने में अधिक देरी होने से यह जून में तैयार होता है और उस समय वर्षा होने से प्याज को नुकसान होता है तथा यह अच्छी तरह सूख नहीं पाता है।

फलस्वरुप भण्डारण में अधिक सड़ने लगता है। रबी प्याज को अप्रैल से जून तक निकाला जाता है। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते हैं। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते है। इन परिस्थितियों में प्याज का भण्डारण करना लाभदायक रहता है। भण्डारण के लिए नवम्बर माह के अंत से दिसम्बर माह के मध्य तक की गयी रोपाई सर्वोत्तम होती है।

नर्सरी में पौध तैयार करना

रबी प्याज की उन्नत किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी, 1 मीटर चौड़ी व 20-25 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियां बनाकर बोनी करें। 500 मीटर वर्गक्षेत्र में तैयार की गई नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 40 ग्राम डी.ए.पी., 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 10-15 ग्राम फ्यूराडान डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। सितम्बर अक्टूबर माह में क्यारीयों को तैयार कर क्लोरोपाईरीफॉस (2 मिली./ लीटर पानी) कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) को धोलकर क्यारी की मिट्टी को तर कर 250 गेज मोटी सफेद पॉलिथिन बिछाकर 25-30 दिनों तक मिटटी का उपचार कर लें। इस विधि से मिटटी को उपचारित करने को मृदा शौर्यीकरण कहतें है। ऐसा करने पर मिटटी का तापमान बढने से भूमि जनित कीटाणु एंव रोगाणु नष्ट हो जाते है। बीजों को क्यारियों में बोने से पूर्व थायरम या कार्बोसिन/बाविस्टीन नामक फफूंदनाशक दवा से 2-3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। उपचारित बीजों को 5-10 सेमी. के अंतर पर बनाई गई कतारों 1 सेमी. की गहराई पर बोएं। अंकुरण के पश्चात पौध को जडगलन बीमारी से बचाने के लिए 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम बाविस्टीन दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बुआई के लगभग 7-8 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है।

रोगों से बचाव

रोगों से बचाव के लिए बीज और पौधशाला की मिट्टी को कवक नाशी या थीरम आदि से उपचारित कर लेना चाहिए। बीज और पौधशाला को ट्राइकोडर्मा से भी उपचारित किया जा सकता है। उसके बाद बीज की नर्सरी डालकर पुवाल आदि से ढक देना चाहिए। जमाव के बाद पुवाल हटाकर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रबी में प्याज की नर्सरी आठ से नौ सप्ताह में रोपाई करने की स्थिति में हो जाती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेंडाजिम, नौ प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

भण्डारण

आमतौर पर खरीफ की तुलना में रबी प्याज में भण्डारित करने की आवश्यकता ज्यादा होती क्योंकि यह बाजार में तुरंत कम बिकता है। प्याज को भण्डारित करते समय निम्न सावधानियां रखना चाहिए।

1. भण्डारण से पहले कंदों को अच्छी तरह सुखा लें, अच्छी तरह से पके हुए स्वस्थ (4-6 सेमी आकार) चमकदार व ठोस कंदों का ही भण्डारण करें।

2. भण्डारण नमी रहित हवादार गृहों में करें। भण्डारण में प्याज के परत की मोटाई 15 सेमी. से अधिक न हों।

3. भण्डारण के समय सड़े गले कंद समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

उर्वरकों का खेती में सही उपयोग कब?

खेती में उर्वरकों का सही उपयोग कब - खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बीज के बाद उर्वरकों का योगदान सबसे अधिक रहा है। परंतु किसान अभी भी उर्वरकों का प्रयोग फसलों की आवश्यकता तथा पोषक तत्वों की उनके खेत में उपलब्धता के आधार पर नहीं कर रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण उनकी भूमि पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करने की जटिलता तथा उसके प्रति किसानों की उदासीनता मुख्य कारण है।

आशा है भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना किसानों की इस उदासीनता को तोडने में सक्षम होगी। स्वाइल हेल्थ कार्ड द्वारा किसान को उसकी भूमि की सही स्थिति तथा उसमें उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी जिसके आधार पर वह अपनी फसलों में संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग कर फसल की लागत को भी कम कर पायेगा परंतु मिट्टी के नमूने से लेकर प्रयोगशाला उसके विश्लेषण में जाने - अनजाने में हुई भूल या लापरवाही इस पूरी योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है जिसके परिणाम सिर्फ और सिर्फ किसान को ही भुगतने होंगे। इसलिए इस योजना की सफलता किसान की जागरूकता पर ही निर्भर करती है।जागरुक किसान नत्रजन व फास्फोरस का महत्व समझने लगे हैं और वह विभिन्न फसलों में इनके सही अनुपात को उपयोग में ला रहे हैं। परंतु अभी बहुत से किसान ऐसे भी है जो फास्फोरस युक्त उर्वरकों को खड़ी फसल में दे रहे हैं। इस ओर भी जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उर्वरकों के उपयोग के आरंभ के वर्षों में तीसरे प्रमुख तत्व पोटाश की प्रदेश के अधिकांश जिलों की भूमि में देने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि यह मिट्टी में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। अधिक उपज देने वाली जातियां आने के बाद पोटाश की मिट्टी में शनै-शनै मात्रा कम होती चली गयी और अब उपज के स्तर को बनाये रखने के लिये इसकी भूमि में आपूर्ति आवश्यक हो गयी है। इसकी कमी के लक्षण भी सोयाबीन व अन्य फसलों में दिखने लगे हैं, पत्तियों के बाहरी ओर पीलापन आने से इसकी कमी को पहचाना जा सकता है। गहरी जड़ों वाली फसलों में इसका उपयोग बीज बोने के पूर्व या बीज बोते समय करना चाहिए। खरीफ में प्रदेश में सोयाबीन फसल का रकबा लगभग 55-58 लाख हेक्टर रहता है। तिलहनी फसल होने के कारण इस फसल में अन्य तत्वों के अतिरिक्त गंधक की भी आवश्यकता होती है क्योंकि गंधक में तेल बनाने की प्रक्रिया में एक आवश्यक तत्व है। इसके प्रति सोयाबीन उगाने वाला किसान सोचता भी नहीं। वह अधिकतर फास्फोरस तथा नत्रजन की आपूर्ति डीएपी द्वारा कर लेता है। गंधक की आपूर्ति किसान बिना लागत बढ़ाये कर सकता है इसके लिए उसे डीएपी का मोह छोड़कर फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट से करनी होगी जिससे फसल को 16 प्रतिशत फास्फोरस के अतिरिक्त 12 प्रतिशत गंधक तथा 21 प्रतिशत कैल्शियम भी मिल जाता है। स्वाइल हेल्थ कार्ड किसानों को एक दिशा-निर्देश तो दे सकता है परंतु यह समाधान नहीं। इसके लिए किसी निर्धारित क्षेत्र के स्वाइल हेल्थ कार्ड का वैज्ञानिक अध्ययन करना होगा। उसके बाद निकले निष्कर्षों के आधार पर किसान को उचित सलाह देनी होगी तभी इस योजना का लाभ होगा। एक क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों को 4-5 विभिन्न प्रयोगशाला में भिजवा कर उनका परीक्षण करना होगा तभी हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे अन्यथा शंका में ही घिरे रहेंगे।

केवाईसी में गलत पता दिया तो बंद हो जाएगा डीमैट अकाउंट, सेबी ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपर्याप्त केवाईसी के मामले में निवेशकों के ट्रेडिंग एवं डीमैट खातों को अपने आप निष्क्रिय करने के लिए शुक्रवार को नए नियम जारी किए। ये नियम 31 अगस्त से लागू हो जाएंगे। सेबी ने कहा है कि पता किसी भी केवाईसी का एक महत्वपूर्ण भाग है और इसे एकदम सही होना चाहिए।

केवाईसी के तहत पते को समय-समय पर बिचौलिए के माध्यम से अपडेट किया जाना चाहिए लेकिन सेबी ने पाया है कि ऐसा नहीं हो रहा है। दरअसल, सेबी जब किसी कार्यवाही को लेकर डीमैट खाताधारकों को नोटिस भेजता है तो वे संबंधित खाताधारक तक पहुंचते ही नहीं है। अब नए नियमों के तहत मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशन (एमआईआई) जैसे शेयर मार्केट, को संबंधित खाताधारक को कारण बताओ नोटिस या नियामक द्वारा जारी आदेश खुद पहुंचाना होगा।

एमआईआई को 30 दिन के अंदर इस बात का सबूत सेबी के पास जमा करना होगा कि नोटिस संबंधित इकाई ने रिसीव कर लिया है। 30 में से पहला दिन उसे माना जाएगा जिस दिन एमआईआई को सेबी को ओर से नोटिस सर्व करने का निर्देश मिलेगा। जिस व्यक्ति को नोटिस मिलना है अगर एमआईआई ने उससे 30 दिन के अंदर कोई नोटिस प्राप्ति रशीद हासिल नहीं की तो उसके बाद 5 दिन के अंदर उस शख्स के सभी डीमैट अकाउंट बंद कर दिए जाएंगे। गौरतलब है कि प्राप्ति रशीद पर प्राप्तकर्ता के या उसके द्वारा अधिकृत किसी शख्स के हस्ताक्षर होने चाहिए।

सेबी ने कहा है कि एमआईआई को उसके और संबंधित इकाई/शख्स के बिचौलिए तक इस बात की जानकारी पहुंचानी होगी कि उनका डीमैट अकाउंट बंद किया जा रहा है। साथ उन्हें इसका कारण भी बताना होगा। बंद किए जाने के बाद संबंधित इकाई बिचौलिए की मदद से दोबारा अकाउंट ओपन करने के लिए आवेदन कर सकती है। इस बार उन्हें पते की सही जानकारी देनी होगी।

पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन युवा लड़कियों का समर्थन करना जारी रखता है

दार्जिलिंग, 30 जुलाई। पीडब्ल्यूसी इंडिया फाउंडेशन 2019 से नन्ही कली परियोजना का समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य दार्जिलिंग में 500 स्कूली छात्राओं को सशक्त बनाना है। परियोजना का प्रबंधन केसी महिंद्रा एजुकेशन ट्रस्ट और नंदी फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। पीडब्ल्यूसीआईएफ हर साल परियोजना में शामिल युवा लड़कियों के लिए, किट वितरित करता है। इस साल, सत्यवती बेरेरा, मुख्य संचालन अधिकारी, पीडब्ल्यूसी इंडिया, कालिम्पोंग में पीडब्ल्यूसीआईएफ में शामिल हुईं, जिसमें स्कूल बैग, स्टेशनरी, एक पुलओवर / रेनकोट और मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों वाली किट सौंपने के लिए एक समारोह में शामिल हुए।

इस पहल के माध्यम से, पीडब्ल्यूसी कक्षा। से 5 तक के छात्रों तक पहुंचता है, जिनमें से अधिकांश अपने परिवारों में पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। इस परियोजना का उद्देश्य स्कूली लड़कियों के बीच प्रचलित उच्च ड्रॉपआउट दर को कम करना है, और उनके लिए सम्मान के साथ स्कूल जाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करना है। 2020 में, पीडब्ल्यूसीआईएफ ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अवधारणा-आधारित शिक्षा तक पहुंच के साथ 166 डिजिटल टैबलेट वितरित किए। डिजिटल टैबलेट माइंडस्पार्क के साथ स्थापित हैं जो एक एआई-पावर्ड सॉफ्टवेयर है जिसे विशेष रूप से प्रत्येक लड़की के अद्वितीय सीखने के स्तर के अनुकूल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्कूली छात्राओं के लिए 107 प्रशिक्षित महिला शिक्षक हैं जिन्हें श्कम्युनिटी एसोसिएटस्श कहा जाता है। 2021-21 में लड़कियों की औसत उपस्थिति 64 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 72 प्रतिशत हो गई। सत्यवती बेरेरा ने कहा, हमें प्रोजेक्ट नन्ही कली से जुड़े होने पर गर्व है और इन बच्चों के जीवन को छोटे तरीके से छूने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समर्थन मिल सके।

फ्लिपकार्ट समर्थ : हर राखी की एक कहानी होती है

सिलीगुड़ी, 30 जुलाई। भारत में, रक्षाबंधन बहुत महत्व का त्योहार है जो भाई-बहनों के बीच विशेष रूप से बहनों और भाइयों के बीच प्यार और कृतज्ञता के आदान-प्रदान का प्रतीक है। प्रत्येक हस्तनिर्मित राखी की एक अनूठी कहानी है और प्रत्येक कारीगर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म - फ्लिपकार्ट पर बनाई और प्रदर्शित की गई इन अनूठी राखियों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक सुंदरता और कहानी को सामने लाता है।

फ्लिपकार्ट समर्थ के साथ साझेदारी में कई विक्रेता और संगठन अपने व्यवसाय को ऑनलाइन बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स का लाभ उठाने में सक्षम हैं। एक घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के रूप में, फ्लिपकार्ट एमएसएमई को नियमित परिचालन सहायता, उपभोक्ता अंतर्दृष्टि और निरंतर व्यापार परामर्श के साथ समर्थन कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी ऑनलाइन यात्रा निर्बाध हो। एमएसएमई भी अपने ब्रांड को बढ़ावा देने, अपने कारोबार को बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने में सक्षम हैं।

समाज के सभी वर्गों के उत्थान और सशक्तिकरण के फ्लिपकार्ट के प्रयासों ने विक्रेता समुदाय के बीच विश्वास पैदा किया है, जिससे उन्हें और सफलता मिली है।

भारत के श्रीलंका-पाकिस्तान जैसे नहीं होंगे हालात : रघुराम राजन

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। देश को श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी आर्थिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। ये बात भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने में अच्छा काम किया है।

न्यूज एजेंसी ने राजन के हवाले से कहा-हमारे पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है। रिजर्व बैंक ने इसमें अच्छा काम किया है। हमारी समस्या श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी नहीं है। हमारे विदेशी कर्ज भी कम हैं। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में महंगाई है। आरबीआई ब्याज दरें बढ़ा रहा है जिससे महंगाई कम करने में मदद मिलेगी। सबसे ज्यादा महंगाई खाद्य और ईंधन में है। रघुराम राजन के मुताबिक दुनिया में खाद्य मुद्रास्फीति कम हो रही है और यह आने वाले दिनों में भारत में भी घटेगी।

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 22 जुलाई को समाप्त सप्ताह के लिए भारत का विदेशी मुद्रा (विदेशी मुद्रा) भंडार 571.56 बिलियन डॉलर था। इस सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 1.152 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

दोनों देश में महंगाई चरम पर है। जुलाई में श्रीलंका की खुदरा महंगाई दर 61 फीसदी के करीब रही है। अब देश में इमरजेंसी के हालात हैं। पाकिस्तान की बात करें तो राजनीतिक अशांति से आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है, जिससे रुपये का अवमूल्यन हो रहा है। इस वजह से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी पस्त है।

सावित्री जिंदल बनीं एशिया की सबसे अमीर महिला

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। भारत की सावित्री जिंदल अब एशिया की सबसे अमीर महिला हैं। सावित्री जिंदल ने चीन की यांग हुईयान को पछाड़कर यह तमगा हासिल किया है। यांग हुईयान, पिछले पांच सालों से एशिया की सबसे अमीर महिला रही हैं। वह चीन के सबसे बड़े रियल एस्टेट डेवलपर कंट्री गार्डन होल्डिंग्स को नियंत्रित करती हैं। हालांकि, चीन में रियल एस्टेट कंपनियों पर सरकार के शिकंजे का असर यांग हुईयान की दौलत पर भी दिखा है।

किसकी कितनी दौलत: ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक यांग हुईयान की दौलत पिछले साल के लगभग 24 बिलियन डॉलर से गिरकर अब 11 बिलियन डॉलर पर आ गई है। जिंदल समूह की मुखिया सावित्री जिंदल की दौलत 11.3 बिलियन डॉलर है। 72 साल की सावित्री की दौलत सिर्फ 2 वर्षों में 12 बिलियन डॉलर बढ़ी है।

फोर्ब्स के अनुसार, उन्हें पिछले कुछ वर्षों से सबसे अमीर भारतीय महिला माना जाता है। भारत की सबसे अमीर महिलाओं की सूची में उनके बाद किरण मजूमदार और कृष्णा गोदरेज हैं।

बता दें कि साल 2005 में सावित्री जिंदल के पति और जिंदल समूह के संस्थापक ओम प्रकाश जिंदल की मौत हो गई थी। इसके बाद सावित्री जिंदल ने अपने पति का कारोबार संभाला। सावित्री जिंदल जिंदल समूह को आगे ले जा रही हैं और यहां तक कि आम आदमी की हर संभव मदद कर रही हैं।

रोबोटिक असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सर्जरी

सिलीगुड़ी, 30 जुलाई। आर्थराइटिस का भले ही स्थायी इलाज न हो, लेकिन इलाज के नए तरीके लंबे समय तक दर्द से राहत दिला रहे हैं। आर्थराइटिस के कारण होने वाले गंभीर घुटने के दर्द से पीड़ित रोगियों के लिए, रोबोट की सहायता से नी रिप्लेसमेंट कम रिकवरी के समय और लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के साथ दर्द से राहत देने में सक्षम हो सकते हैं। डॉ. मदन मोहन रेड्डी, सीनियर कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक सर्जन एंड रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई के अनुसार, पारंपरिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में सफलता दर लगभग 90-95 प्रतिशत है, लेकिन रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी के साथ सटीकता 100 प्रतिशत है। यदि रोगी टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) का उम्मीदवार है, तो वह आरटीकेआर के लिए एक अच्छा उम्मीदवार भी है। स्थिति के आधार पर, चिकित्सा पेशेवर पहले कम आक्रामक उपचार की सलाह देते हैं: (ए) नॉन-स्टेरायडल एंटी इंफ्लेमेट्री ड्रग्स (एनएसएआईडी), (बी) वजन घटाने और व्यायाम सहित जीवन शैली में संशोधन (सी) इंट्रा-आर्टिकुलर शॉट्स और (डी) फिजिकल थेरेपी और घुटने के ब्रेसिज।

यदि रोगी इन ट्रेडिशनल उपचार विधियों से राहत पाने में सक्षम नहीं है तो टीकेआर समस्या का उत्तर हो सकता है, डॉ रेड्डी ने कहा। डॉ रेड्डी ने स्पष्ट किया कि पारंपरिक टीकेआर इम्प्लांट 20-24 साल तक चल सकता है और 60 साल से कम उम्र के लोगों के लिए पारंपरिक टीकेआर की सिफारिश करना मुश्किल है। आरटीकेआर जैसी नई प्रक्रियाएं इसे बदलना शुरू कर रही हैं। अधिक सटीक इम्प्लांट पोजिशनिंग का मतलब है कि अधिक से अधिक युवा रोगी सुरक्षित रूप से टीकेआर से गुजर सकते हैं और जीवित और सक्रिय जीवन शैली में वापस आ सकते हैं।

आरटीकेआर के बारे में सबसे आम गलतफहमियों में से एक यह है कि पूरी सर्जरी रोबोट द्वारा की जाती है। मगर यह मामला नहीं है। प्रक्रिया सर्जन द्वारा की जाती है और रोबोटिक आर्म द्वारा सहायता प्रदान की जाती है और सर्जन ही नियंत्रण में होते है। प्रौद्योगिकी अन्य तरीकों से भी प्रक्रिया की सहायता करती है। यह सर्जनों को इम्प्लांट्स को अधिक सटीक रूप से रखने की अनुमति देता है। पारंपरिक टीकेआर के साथ, सर्जन मरीज को दो सप्ताह के बाद सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू करने की अनुमति देते हैं। टीकेआर तकनीक संभावित रूप से इस पुनर्प्राप्ति समय में कटौती करती है।

उन्होंने कहा कि आरटीकेआर के मरीजों को उसी दिन अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। एक पारंपरिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में, कुछ मात्रा में सॉफ्ट टिश्यू रिलीज और/या बलिदान की आवश्यकता होती है। हालांकि यह सर्जरी के बाद दर्द को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन यह प्रभावित कर सकता है कि ठीक होने के बाद एक कृत्रिम घुटना कैसा महसूस करता है। अत्यधिक सक्रिय रोगियों के लिए सॉफ्ट टिश्यू-स्पेरिंग घुटने के रिप्लेसमेंट की सिफारिश की जाती है। रोबोट की सहायता से टीकेआर लिगामेंट्स और सॉफ्ट टिश्यू को अधिकतम बचाया जाता है। चूंकि आरटीकेआर तकनीक अधिक सटीकता की अनुमति देती है, सर्जन प्रत्येक रोगी की शारीरिक रचना के लिए नी रिप्लेसमेंट को अनुकूलित कर सकते हैं। अत्याधुनिक रोबोटिक उपकरणों में रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने की क्षमता है। डॉ मदन मोहन रेड्डी ने कहा कि किसी को ऐसे आर्थोपेडिक सर्जन को चुनना चाहिए, जिन्होंने अच्छे परिणामों के साथ बड़ी मात्रा में सर्जरी पूरी की हो।

बिजली कंपनियों को राज्यों ने नहीं दिए 2.5 लाख करोड़ रुपये : पीएम मोदी

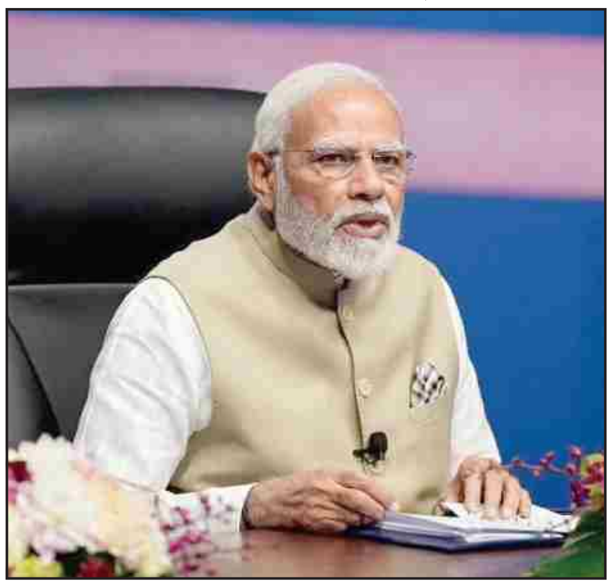

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजली कंपनियों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये बकाये का भुगतान करने के लिए राज्यों से अपील की है।

प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम में बिजली उत्पादन और वितरण क्षेत्र की कंपनियों के समक्ष मौजूद चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी एक बड़ी राशि राज्यों के पास बकाया है। उन्होंने राज्यों से इस बकाया राशि का भुगतान जल्द-से-जल्द करने को कहा।

पीएम मोदी ने कहा कि यह राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति एवं राष्ट्र-निर्माण से जुड़ा हुआ मुद्दा है। बिजली देश के विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों पर इन बिजली कंपनियों का एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों एवं स्थानीय निकायों की भी इन बिजली वितरण कंपनियों पर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक देनदारी बाकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों ने अभी तक बिजली कंपनियों को 75,000 करोड़ रुपये की अपनी सब्सिडी प्रतिबद्धता भी पूरी नहीं की है।

राज्यों की तरफ से उपभोक्ताओं को दी जाने वाली रियायती बिजली के एवज में यह सब्सिडी राशि दी जानी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बिजली वितरण कंपनियों का नुकसान दहाई अंकों में है जबकि विकसित देशों में यह इकाई अंक में होता है। उन्होंने कहा कि बिजली की किल्लत का दौर अब अतीत की बात हो गई है और बीते आठ वर्षों में करीब 1.70 लाख मेगावाट बिजली की अतिरिक्त क्षमता का सृजन हुआ है।

स्पेक्ट्रम नीलामी की प्रक्रिया पांचवें दिन भी जारी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। देश में 5जी स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी प्रक्रिया लगातार पांचवें दिन भी शनिवार को जारी है। अभी तक 1,49,855 करोड़ रुपए मूल्य की बोलियां लगाई जा चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि स्पेक्ट्रम के लिए कंपनियों के बीच जारी होड़ की वजह से नीलामी प्रक्रिया पांचवें दिन तक पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक दूरसंचार कंपनियों ने 24वें दौर की बोलियां लगाई हैं।

दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा था कि अभी तक नीलामी के लिए रखे गए कुल स्पेक्ट्रम का करीब 71 फीसदी हिस्सा बेचा जा चुका है। उन्होंने स्पेक्ट्रम नीलामी को कंपनियों से मिली प्रतिक्रिया पर संतोष भी जताया था।

शुक्रवार तक 23 दौर की बोलियां लगाई गई थीं। इस दिन बोलियों के सात दौर पूरे हुए थे। दूरसंचार विभाग ने इस नीलामी में कुल 4.3 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 72 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की बिक्री की पेशकश की है। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के अलावा अडाणी एंटरप्राइजेज भी शिरकत कर रही है।

आदित्य विक्रम डागा फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, पर्पस प्लैनेट

1. हमें भारत में नंबर 1 परयूम ब्रांड बनने की अपनी यात्रा के बारे में बताएँ।

रिया की शुरुआत सन् 1997 में हुई थी, जब मेरे पिता श्री एनके डागा और श्री एलके सोनी ने 1 लाख रुपए की कैपिटल के साथ कोलकाता से इस ब्रांड की नींव रखी थी। इसका उद्देश्य भारत के हर घर में किफायती कीमतों पर विश्व स्तरीय इत्र उपलब्ध कराना था। दोनों फाउंडर्स ने सन् 2000 में दिल्ली के सदर बाजार में किराए की जगह लेकर रिया का विस्तार किया। वर्ष 2000 में हमारा राजस्व 5 करोड़ रुपए था और वर्ष 2021 में हम भारत में नंबर 1 परयूम ब्रांड बनने में सक्षम हुए हैं।

2. रिया में ऐसी क्या खास बात है, जो इसे बाजार के अन्य ब्रांड्स से अलग बनाती है।

रिया हाइपर लोकल है। हमने खुद को सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं रखा है और टियर 1, 2, 3 बाजारों की जरूरतों तथा संवेदनशीलता को हमेशा ही पूरा किया है। रिया आकर्षक और किफायती कीमतों पर उपलब्ध है, हमने इसकी गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया। यही बात रिया को बाजार में मौजूद अन्य ब्रांड्स से अलग बनाती है।

दिलचस्प बात यह है कि हमने विज्ञापन में कभी-भी एक पैसा खर्च नहीं किया। भारत के लोगों ने पिछले 25 वर्षों में रिया को इसकी अनूठी सुगंध और विश्व स्तरीय गुणवत्ता को देखते हुए अपनाया है।

3. आपने परयूम इंडस्ट्री में ही अपना बिज़नेस क्यों शुरू किया?

परयूम हमारा परंपरागत बिज़नेस है और मैं एक ऐसे घर में पला-बढ़ा हूँ, जहाँ मेरे पिता परयूम, इसकी प्रक्रियाओं और सुगंध के साथ कई तरह के प्रयोग किया करते थे। वास्तव में, हम बचपन से ही विभिन्न प्रकार के परयूम्स की सुगंध से अच्छी तरह परिचित हैं। जब मैं बड़ा हुआ, तो इस क्षेत्र में मेरी भी गहरी दिलचस्पी थी। आधिकारिक तौर पर मैं पिछले तीन वर्षों से रिया के साथ हूँ, लेकिन असल में मैं पिछले छह वर्षों से रिया में काम कर रहा हूँ और बिज़नेस की बारीकियों को सीख रहा हूँ। वर्ष 2019 में लंदन बिजनेस स्कूल से पास आउट होने के बाद मैंने किसी मल्टीनेशनल कंपनी की तलाश कर उसमें करियर बनाने के बजाए परयूम के पारिवारिक बिज़नेस में शामिल होने का विकल्प चुना। अब, मैं बिज़नेस को रिस्ट्रक्चर, डाइवर्सिफाई और इसे विकसित करने की प्रक्रिया में हूँ।

4. हमें भविष्य की अपनी विस्तार योजनाओं के बारे में बताएँ।

वर्ष 2019 में, हमने कोलकाता और नई दिल्ली में स्थित अपने ऑफिसेस के साथ ब्रांड रिया को रिस्ट्रक्चर, डाइवर्सिफाई और इसे विकसित करने के लिए पर्पस प्लैनेट की स्थापना की। वर्तमान में, हम परयूम, डिओडरेंट, रूम फ्रेशनर और एयर फ्रेशनर को शामिल किए हुए हैं।

हम केरल को छोड़कर पूरे भारत में मौजूद हैं। हम अपने कारोबार में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, जहाँ हम पहले से मौजूद हैं, उन क्षेत्रों में भी विस्तार करेंगे।

हम अपने बिज़नेस में विविधता लाने और विभिन्न क्षेत्रों में कदम रखने की योजना बना रहे हैं, जिसका हम समय आने पर खुलासा करेंगे। ई-कॉमर्स के लिए भी कुछ योजनाएँ हैं।

5. क्या आप हमें भारत में परयूम कारोबार के बारे में जानकारी दे सकते हैं?

नीलसन आईक्यू रिटेल ऑडिट रिपोर्ट, जनवरी-दिसंबर 2021 के अनुसार, भारत में परयूम इंडस्ट्री ई-कॉमर्स को छोड़कर 790 करोड़ की है। ई-कॉमर्स सहित इंडस्ट्री वर्ष 2025 तक 1200 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

6. बिज़नेस को 25 वर्ष हो चुके हैं। इसकी शुरुआत से लेकर अब तक की बात करें, तो आपको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा होगा। सामने आने वाली बाधाओं का आपने कैसे सामना किया?

हाँ, रिया की शुरुआत महज 1 लाख रुपए के कैपिटल से हुई थी। यह एक असंगठित बाजार था। मूल रूप से, यह फाउंडर्स के लिए पूरी तरह से एक अज्ञात क्षेत्र था। यह पूरी तरह से उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति थी, जिसने उन्हें इत्र क्षेत्र में व्यापार करने के लिए निर्देशित किया। सन् 2000 में, रिया ने दिल्ली से अपना डिस्ट्रीब्यूशन शुरू किया और 5 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल किया।

बीस साल के समय में, जब ब्रांड भारत में नंबर 1 बन गया, तो कोविड महामारी ने बिज़नेस को बहुत प्रभावित किया। मैंने देश के अधिकांश हिस्सों की यात्रा की और भारत में अपने बिज़नेस के साथ-साथ परयूम सिनेरियो को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। इसने हमें कुछ बेहतर परिणाम दिए। महामारी के बावजूद, वित्त वर्ष 2020-21 के लिए हमारा कारोबार 80 करोड़ रुपए हो गया।

7. आपका 2025 का लक्ष्य क्या है?

मौजूदा मार्केट शेयर हमारा इस समय 10.8: है। वर्ष 2025 तक, हम कुल मार्केट शेयर के 20: पर पहुँच बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

8. क्या आप अपने प्रोडक्ट्स ऑनलाइन बेचते हैं? यदि हाँ, तो क्या आप हमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों चौनल्स के लिए अपने बिक्री प्रतिशत के बारे में कुछ आँकड़े दे सकते हैं?

हम वर्तमान में केवल ऑफलाइन उपलब्ध हैं। इस प्रकार, यह 100: ऑफलाइन है। यह एक स्ट्रेटेजिक डिसिजन है, क्योंकि हम अपने सामान्य ट्रेड चौनल पार्टनर्स और हाइपर-लोकल प्राइस सेंसिटिव कंज्यूमर्स के साथ टकराव पैदा नहीं करना चाहते हैं। हालाँकि, ब्रांड के प्रोडक्ट्स को प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर पुनर्विक्रेताओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से बेचा जाता है।

9. आपकी कस्टमर एक्वीजिशन कॉस्ट क्या है?

हम विज्ञापन नहीं करते; इसलिए कस्टमर एक्वीजिशन कॉस्ट लगभग शून्य है।

10. नीलसन आईक्यू रिटेल ऑडिट रिपोर्ट, जनवरी-दिसंबर 2021 के अनुसार, रिया को वैल्यू शेयर द्वारा भारत में परयूम सेगमेंट लीडर के रूप में प्रमाणित किया गया था। इसके बारे में हमें कुछ बताएँ। हमें नीलसन आईक्यू द्वारा लगातार तीसरे वर्ष मार्केट लीडर के रूप में प्रमाणित होने की खुशी है।

वैल्यू के हिसाब से रिया का मार्केट शेयर पिछले तीन वर्षों में लगातार बढ़ा है। ल्म्ब 2021 में मार्केट शेयर वैल्यू 10.8: पर, यह कथित तौर पर अन्य टॉप खिलाड़ियों से आगे है।

पिछली कुछ तिमाहियों में हमारी प्रतिक्रिया के अनुसार, हिनटरलैंड, जहाँ रिया का मजबूत फोकस है, ने भारत के शहरी इलाकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

रिया परयूम्स, गुणवत्ता वाले परयूमरी प्रोडक्ट्स हैं, जिन्हें नीलसन आईक्यू के अनुसार परयूम सेगमेंट की मूल्य बिक्री में पहले स्थान पर रखा गया है, जो वैश्विक माप और डेटा एनालिटिक्स में इंडस्ट्री लीडर हैं, और रिटेल और कंज्यूमर इंटेलिजेंस के लिए सबसे भरोसेमंद स्रोत हैं। रिटेल इंडेक्स सर्विस में ग्रॉसर्स, जनरल स्टोर्स, केमिस्ट्स, कॉस्मेटिक स्टोर्स, पान प्लस स्टोर्स और मॉडर्न ट्रेड स्टोर्स शामिल हैं।

11. कंपनी के लिए वर्तमान ईबीआईटीडीए क्या है?

पिछले 2 कठिन वर्षों में परयूम सहित सभी बिज़नेसेस के कोविड त्रस्त होने के बावजूद, हम अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे। कंपनी का मौजूदा टर्नओवर 80 करोड़ है। कंपनी अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है, और प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर कमाई कर रही है।

राष्ट्रमंडल खेल

वेटलिफ्टिंग में गुरुराज पुजारी ने जीता ब्रांज मेडल, संकेत सरगर के बाद भारत को दिलाया दूसरा पदक

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय वेटलिफ्टर गुरुराज पुजारी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पुरुषों के 61 स्पर्धा में ब्रांज मेडल जीता है। यह भारत का दूसरा मेडल है। इससे पहले पुरूषों की 55 किलो स्पर्धा में संकेत सरगर ने सिल्वर मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था। गुरुराज पुजारी ने 61 स्पर्धा में कुल 269 किलोग्राम के साथ ब्रांज मेडल अपने नाम किया। इस मुकाबले में मलेशिया के मोहम्मद अंजील ने गोल्ड मेडल जीता। जबकि पापुओ न्यू गिनी के मोरे बायू ने सिल्वर हासिल किया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुषों के 61 स्पर्धा में ब्रांज मेडल जीतने वाले वेटलिफ्टर गुरुराज पुजारी को बधाई दी। इससे पहले उन्होंने वेटलिफ्टर गुरुराज पुजारी को भी बधाई दी थी।

संकेत सरगर ने जीता सिल्वर मेडल

वेटलिफ्टर संकेत सरगर ने पुरूषों की 55 किलो स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का खाता खोला। इसके बाद गुरुराज पुजारी ने अंक तालिका में पदकों की संख्या को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। संकेत सरगर ने गोल्ड मेडल जीतने का प्रयास किया लेकिन क्लीन एंड जर्क में दो प्रयास नाकाम रहने से वह एक किलो से चूक गए। उन्होंने 248 किलो (113 और 135 किलो) वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

अभी राष्ट्रमण्डल खेलों में पदक जीतना है लक्ष्य: सिंधु

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कहा है कि अभी उनकी नजरें राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर हैं। सिंधु के अनुसार वह इन खेलों के जरिये अगले महीने होने वाली विश्व चैम्पियनशिप और 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अभ्यास करना चाहती है। सिंधु ने पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत और कांस्य पदक जीते थे और इस बार उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना है। इन खेलों के बाद वह जापान के टोक्यो में 22 से 28 अगस्त के बीच होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में जीत दर्ज करना चाहती हैं। सिंधु ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में चैम्पियन बनना बड़ी उपलब्धि है क्योंकि ये खेल चार साल में एक बार ही होते हैं। इसमें अपने देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। सिंधु ने हाल ही में सिंगापुर ओपन जीता था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

उनकी राहा में सबसे बड़ी बाधा चीनी ताइपे की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी ताई जु यिंग हैं। सिंधु के अनुसार इसके अलावा स्पेन की कारोलिना मारिन और कोरिया की आन से यंग से भी जीत दर्ज करना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। सिंधु इन खिलाड़ियों के खिलाफ अबतक संघर्ष करती रही हैं। सिंधु ने कहा कि प्रत्येक मैच मायने रखता है। यह उस दिन के प्रदर्शन और कोर्ट के हालातों पर आधारित रहता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम में कोविड का खतरा, नवजोत पृथकवास पर

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर नवजोत कौर की कोविड-19 परीक्षण की रिपोर्ट स्पष्ट नहीं होने के कारण उन्हें पृथकवास में रखा गया है, जिससे राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टीम में दहशत का माहौल बना हुआ है। भारत ने घाना पर 5-0 की बड़ी जीत से अपने अभियान की शुरुआत की है।

टीम सूत्रों का कहना है कि नवजोत को अलग-थलग रखा गया है। उनका सीटी मानक संक्रामक नहीं है। उनका पहला परीक्षण पॉजिटिव आया था लेकिन दूसरे परीक्षण में उनके सीटी मानक में सुधार हुआ है और वह दूसरों को संक्रमित नहीं कर सकती हैं। वह अभी अलग-थलग है और पूरी संभावना है कि उन्हें वापस भारत भेज दिया जाएगा।

कुरुक्षेत्र की रहने वाली 27 वर्षीय नवजोत जकार्ता में खेले गए एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली टीम और 2014 में इंचिओन खेलों की कांस्य पदक विजेता टीम की सदस्य थी। भारत का 300 से अधिक सदस्यों का दल अभी तक खेलों के दौरान कोविड से मुक्त था। महिला क्रिकेट टीम कि दो सदस्य पूजा वस्त्राकर और मेघना का भारत में परीक्षण पॉजिटिव आया था लेकिन वह उससे उबर गई थी।

टेबल टेनिसः भारतीय महिला टीम की गयाना पर आसान जीत

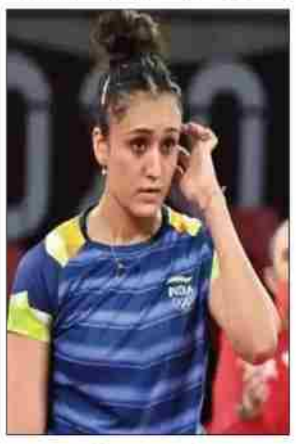

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

मनिका बत्रा की अगुवाई वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने शनिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों के ग्रुप दो के मैच में गयाना को 3-0 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। चार साल पहले गोल्ड कोस्ट में जीते गए अपने खिताब का बचाव करने की कवायद में लगी महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका और फिजी को समान 3-0 के अंतर से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। प्रतियोगिता के दूसरे दिन श्रीजा अकुला और रीथ टेनिसन की जोड़ी ने नताली कमिंग्स और चेल्सी एडघिल को 11-5, 11-7, 11-7 से हराकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी मनिका बत्रा ने इसके बाद थुरिया थॉमस को सीधे गेम में 11-1, 11-3, 11-3 से हराया। एक अन्य मैच में रीथ ने चेल्सिया एडघिल के खिलाफ 11-7, 14-12, 13-11 से जीत दर्ज करके भारत को 3--0 की अजेय बढ़त दिलाई।

पाकिस्तानी टीम को धूल चटने आज उतरेगी भारतीय महिला टीम

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

हरमनप्रीत कौर ने कॉमनवेल्थ गेम्स में बल्ले से अच्छी शुरुआत की। पहले मुकाबले में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था, लेकिन टी20 की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मैच जीता। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम को पहले मुकाबले में बारबाडोस के खिलाफ 15 रन से हार मिली। रविवार को भारत और पाकिस्तान की महिला टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों के बीच 4 साल बाद कोई टी20 का मुकाबला होने वाला है। भारतीय टीम का रिकॉर्ड चिर-प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतरीन है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत की थी। हालांकि स्मृति बड़ी पारी नहीं खेल सकी थीं! युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके स्कोर को 154 रन तक पहुंचाया था। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 18 रन देकर 4 विकेट लिए थे। लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का साथ नहीं मिला। मेघना सिंह ने 4 ओवर में 38 रन लुटा दिए, वहीं स्पिनर राधा यादव और राजेश्वरी गायकवाड़ भी प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। पूजा वस्त्रकार कोरोना के कारण यह मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। वे टीम की अहम खिलाड़ी हैं, इसका प्रभाव मैच पर भी देखने को मिला था।

दूसरी ओर पाकिस्तान को बारबाडोस ने हराया। बारबाडोस ने पहले खेलकर 4 विकेट पर 144 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम निदा डार के नाबाद 50 रन के सहारे 6 विकेट पर 129 रन ही बना सकी थी। पहले मैच में उसके गेंदबाज कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। वहीं टीम ने 49 रन पर 4 बड़े विकेट खो दिए थे।

श्रीलंका को हराकर भारत मिश्रित टीम बैडमिंटन के नॉकआउट चरण में

बर्मिंघम। भारतीय बैडमिंटन खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए 22वें राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा में शनिवार को ग्रुप ए के दूसरे मैच में श्रीलंका को 3.0 से हराया।

पाकिस्तान को 5.0 से हराने के बाद भारत ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करके एक मैच बाकी रहते क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अश्विनी पोनप्पा और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी ने मिश्रित युगल में सचिन डियास और टी हेंडाहेवा को 21.14, 21.9 से हराकर भारत को 1.0 से बढत दिलाई। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने कंधे की चोट से उबरने के बाद पहला मैच खेलते हुए निलुका करूणारत्ने को 21.18, 21.5 से शिकस्त दी। आकृषि कश्यप ने सुहासनी विदानागे को 21.3, 21.9 से हराया। भारत पुरूष युगल और महिला युगल मैच भी खेलेगा। आखिरी लीग मैच में भारत का सामना आस्ट्रेलिया से होगा।

पोंटिंग को स्मिथ के विश्व कप तक लय में आने की उम्मीद

दुबई । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पोंटिंग ने टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के खराब फार्म पर चिन्ता जतायी है। पोंटिंग को हालांकि उम्मीद है कि स्मिथ टी20 विश्व कप तक फार्म में वापस आ जाएंगे। पोंटिंग के अनुसार स्मिथ की तकनीक में कमी नहीं पर विरोधी टीमें उनके रनों को रोकने में सफल रही हैं। जिससे ये बल्लेबाज दबाव में गलती कर जाता है। पोंटिंग ने कहा, 'स्मिथ की फॉर्म अभी खराब है पर इससे पहले उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और बड़े स्कोर बनाए हैं। उन्होंने एक सत्र में चार, पांच या छह शतक लगाए हैं पर पिछले दो वर्षों से वह ऐसा नहीं कर पा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने उनके खेल को बेहद करीब से देखा है और मुझे नहीं लगता कि तकनीक के तौर पर उनमें कोई कमजोरी है। मुझे यह भी नहीं लगता कि उनकी तकनीक में कुछ बदलाव करने होंगे।'

ऑस्ट्रेलिया को अगले साल फरवरी-मार्च में चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारत दौरे पर आना है। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 202-23 के चक्र का हिस्सा होगी। टेस्ट श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा भी करेगी। इन महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं के लिए स्मिथ की फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के लिए काफी अहम होगी जो कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के प्रयासों में लगा है।

स्मिथ इंग्लैंड में 2019 में खेली गई एशेज श्रृंखला के बाद टेस्ट मैचों में केवल दो शतक ही लगा पाए हैं। उन्होंने इस महीने के शुरू में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 145 रन की पारी खेली थी जो पिछले साल के शुरू में भारत के खिलाफ लगाए गए शतक के बाद उनका पहला सैकड़ा था।

रोहित-कार्तिक की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने पहले ही टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।

कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने यहां पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को 68 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की ओर से रोहित ने 64 रन जबकि दिनेश कार्तिक ने 41 रन बनाये। कार्तिक की पारी सबके आकर्षण का केन्द्र रही। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 19 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर भारतीय टीम को 190 रनों के एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रनों पर ही सिमट गयी। इंडीज गेंदबाज भारत के अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई का सामना नहीं कर पाये। इन तीनों ही गेंदबाजों ने दो-दो विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर कुमार और रवींद्र जडेजा दोनो को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान कप्तानी रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव ने पारी की शुरुआत की। सूर्यक्रमार ने 24 रन बनाये। दोनों ने शुरुआती 4.4 ओवर में ही 44 रन बना दिये। यूर्यकुमार के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए, रोहित एक छोर पर जमे रहे पर ऋषभ पंत 14 रन और हार्दिक पंड्या एक रन बनाकर आउट हो गये जिससे भारतीय पारी दबाव में आ गयी। रोहित इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा 3443 रन रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल 3399 रन बनाकर इस प्रारूप में रोहित की जगह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे।

महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकी तीनों भारतीय गोल्फर

टून (स्कॉटलैंड)। भारत की तीनों गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक महिला स्कॉटिश ओपन में कट में जगह बनाने में नाकाम रही। अदिति (74-74), दीक्षा (75-76), और त्वेसा (77-74) दूसरे दौर के बाद बाहर हो गईं क्योंकि कट एक अंडर पर गया। भारतीयों के लिए यह सप्ताह निराशाजनक रहा क्योंकि अदिति दूसरे दौर में तीन बोगी कर बैठी जबकि इस बीच उन्होंने केवल एक बर्डी बनाई। त्वेसा ने पहले दो होल में बोगी की। उन्होंने तीन बर्डी भी की लेकिन आखिर में उनका स्कोर दो ओवर 74 रहा। दीक्षा ने फिर से निराश किया। उन्होंने लगातार दूसरे दिन पहले होल में डबल बोगी की। उन्होंने अंतिम नौ होल में 3 बर्डी बनाई लेकिन तब भी उन्होंने चार ओवर 76 के निराशाजनक स्कोर के साथ अंत किया।

उज्बेकिस्तान के क्लब से खेलेगी भारतीय महिला फुटबॉर ग्रेस

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉलर डांगमेई ग्रेस उज्बेकिस्तान के क्लब एफसी नसफ में खेलने के लिए तैयार है। स्ट्राइकर डांगमेई को पता है कि उज्बेकिस्तान के क्लब की ओर से खेलना आसान नहीं रहेगा पर इसके बाद भी वह आत्मविश्वास से भरी हुई हैं। इस महिला फुटबॉलर को पता है कि उज्बेकिस्तान में सबकुछ अलग होगा। उनके खेलने की शैली, उनकी संस्कृति पर कहा कि मुझे इसके अनुसार बदलाव करने होंगे। साथ ही कहा कि मैं इस नयी चुनौती और अपने अनुभव साझा करने के लिए उत्साहित हूं। ग्रेस ने कहा कि यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस स्ट्राइकर ने कहा कि यह एकदम से नहीं हुआ बल्कि में लंबे समय से विदेशों में खेलने का सपना देख रही थी। मैं इसी दिन का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने और भारतीय महिला फुटबॉल का अच्छा दूत होने का अवसर है। ग्रेस ने अपना अंतरराष्ट्रीय करियर साल 2013 में शुरू किया था। वह दक्षिण एशियाई खेलों (2016, 2019) और सैफ महिला चैम्पियनशिप (2016 और 2019) में विजेता रही हैं।

न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को टी20 सीरीज में 2-0 से हराया

एडिनबर्ग (एजेंसी)।

मार्क चैपमैन और माइकल ब्रैसवेल की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से न्यूजीलैंड ने यहां खेले गये गए दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में स्कॉटलैंड को 102 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। इस मैच में कीवी टीम की कप्तानी करते हुए मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कीवी टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 254 रन बनाए। इसके बाद तय लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 9 विकेट पर 152 रनों पर ही सिमट गयी। न्यूजीलैंड की ओर से नीशम और माइकल रिपन ने 2-2 जबकि ब्रैसवेल, बेन सियर्स, कप्तान सैंटनर और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिया। कीवी टीम की ओर से चैपमैन ने तेजी से खेलते हुए 44 गेंदों पर 5 चौके और 7 छक्के लगार 83 रन बनाये। इसके अलावा माइकल ब्रैसवेल ने भी अर्धशतक जमाया और वह नाबाद रहे। ब्रैसवेल ने 25 गेंदों पर 8 चौके, 3 छक्के लगाते हुए नाबाद 61 रनों की पारी खेली। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम कीवी गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी। उसकी ओर से सबसे ज्यादा रन क्रिस ग्रीव्स ने बनाए। ग्रीव्स ने 37 रन बनाये। वहीं कप्तान रिची बेरिंग्टन ने 22 रन बनाए।

अफगानिस्तान में टी-20 मैच के दौरान स्टेडियम में जोरदार बम धमाका, बंकर में छिपे क्रिकेटर

काबुल (एजेंसी)।

शुक्रवार को अफगानिस्तान की टी-20 का मैच चल रहा था और उसी दौरान काबुल के क्रिकेट स्टेडियम पर जोरदार आत्मघाती बम धमाका हुआ। धमाके की आवाज पूरी स्टेडियम में गूंज उठी और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस धमाके में चार लोगों के घायल होने की खबर है। जानकारी के लिए बता दें कि ये हादसा काबुल इंटरनेशनल स्टेडियम में हुआ जहां पर पामीर जालमी और बैंड-ए-अमीर ड्रैगन्स के बीच शापेजा क्रिकेट लीग का 22वां लीग मैच खेला जा रहा था।

मैच के दौरान स्टेंड पर बड़ी संख्या में दर्शक बैठे हुए थे और उसी दौरान बम फट जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान प्रीमियर टी20 टूर्नामेंट के दौरान यह जोरदार धमाका होने के तुरंत बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों को तुरंत एक बंकर में ले जाया गया ताकि किसी तरह सबकी जान बचाई जा सके। जब हमला हुआ तब संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी भी स्टेडियम में मौजूद थे। दर्शक इधर से उधर की ओर भागने लगे और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

काबुल में बढ़े आतंकी हमले

स्टेडियम में मौजूद सभी लोग इस धमाके से सदमे में थे। काबुल पुलिस मुख्यालय ने घटना की पुष्टि की है और किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं आई है। अगरस्त 2021 को अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान का कब्जा हुआ और तब से ही राजधानी काबुल में आतंकी हमलों की संख्या बढ़ती चली गई है। हाल ही में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने कई धार्मिक स्मारकों को निशाना बनाया। एक और विस्फोट के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में काबुल में करता परवन गुरुद्वारा के पास एक बम धमाका हुआ था। इस हमले में दर्जनों सिखों और तालिबान सदस्यों की जान खतरे में बन गई थी।

टीएनपीएल में शाहरुख की आतिशी पारी से कोवई किंग्स जीती

चेन्नई । शाहरुख खान के शानदार प्रदर्शन से तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में कोवई किंग्स ने नेल्लई रॉयल किंग्स को हरा दिया। इस मैच में कुल 400 से अधिक रन बने। इस मैच में नेल्लई रॉयल किंग्स ने 20 ओवर में 208 रन बनाए थे। इस प्रकार कोवई किंग्स को जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए किंग्स को जीत के लिए अंतिम ओवर में 16 रन चाहिये थे पर कोवई के कप्तान शाहरुख ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 4 गेंद में ही अपनी टीम को जीत दिला दी। शाहरुख ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाया। वहीं दूसरी गेंद ऑफ स्टम्प के बाहर थी। इसपर उन्होंने छक्का लगा दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर शाहरुख ने 1 रन लेकर साथी बल्लेबाज को स्ट्राइक दी।

राज्यपाल कोश्यारी के बयान पर हंगामा, उद्धव और राज ठाकरे भड़के, एनसीपी व कांग्रेस के निशाने पर गवर्नर

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अपने बयान को लेकर घिरते नजर आ रहे हैं। शिवसेना, मनसे, एनसीपी और कांग्रेस ने भी उनके बयान पर निशाना साधा।

शिवसेना, मनसे, एनसीपी और कांग्रेस ने भी उनके बयान पर निशाना साधा। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल के बयान को मराठी लोगों का अपमान बताया।

उन्होंने शनिवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुंबई के संबंध में की गई अपनी टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि अब यह तय करने का समय आ गया है कि उन्हें घर वापस भेजा जाये या जेल भेजा जाये।

ठाकरे ने राज्यपाल पर मुंबई और ठाणे में शांति से रह रहे हिंदुओं का ध्रुवीकरण करने का भी आरोप लगाया।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे भी राज्यपाल के बयान पर विरोध जता चुके हैं। उन्होंने कहा, 'मराठी आदमी को मूर्ख मत बनाओ! अगर महाराष्ट्र के इतिहास के बारे में नहीं जानते हैं तो इस तरह की बात न करें।'

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने शनिवार को कहा था कि अगर मुंबई से गुजरातियों और राजस्थानियों को हटा दिया जाए तो शहर के पास न तो पैसे रहेंगे और न ही वित्तीय राजधानी का तमगा।

इस टिप्पणी को लेकर हुए विवाद के बाद राज्यपाल ने शनिवार को कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत समझा गया है। उन्होंने कहा कि उनका मराठी भाषी लोगों की कड़ी मेहनत को कमतर करने का कोई इरादा नहीं था।

अपने आवास मातोश्री में यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा, मराठी लोगों के खिलाफ राज्यपाल के मन में जो नफरत है, वह अनजाने में सामने आ गई है। उन्होंने मांग की कि राज्यपाल मराठी लोगों से माफी मांगें। ठाकरे ने आरोप लगाया, अब समय आ गया है कि कोश्यारी को घर वापस भेजा जाए या फिर जेल... पिछले तीन साल में उन्होंने महाराष्ट्र में रहकर मराठी भाषी लोगों का अपमान किया है। अब इन टिप्पणियों से उन्होंने राज्यपाल के पद का अपमान किया है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह कोविड -19 महामारी से लड़ रहे थे और लोग मर रहे थे, राज्यपाल चाहते थे कि धार्मिक स्थलों को फिर से खोल दिया जाए।

ठाकरे ने आरोप लगाया, कोश्यारी ने महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए राज्यपाल के कोटे से 12 नामों को मंजूरी नहीं दी। उन्होंने समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणी की थी।

कांग्रेस ने राज्यपाल के इस बयान की निंदा की है और उनसे माफी की मांग की है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोश्यारी ने कहा, मैं यहां के लोगों को बताना चाहता हूं कि अगर गुजरातियों और राजस्थानियों को महाराष्ट्र, खासतौर पर मुंबई व ठाणे से हटा दिया जाए, तो आपके पास पैसे नहीं रहेंगे और न ही मुंबई वित्तीय राजधानी बनी रह पाएगी।

उन्होंने यह बयान मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी में एक चौक के नामकरण समारोह को संबोधित करते हुए दिया। राजभवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोश्यारी ने मुंबई को देश की वित्तीय राजधानी बनाने में राजस्थानी मारवाड़ियों और गुजराती समुदाय के योगदान की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थानी मारवाड़ी समुदाय देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ नेपाल और मॉरीशस जैसे देशों में भी निवास करता है।

उन्होंने कहा, जहां भी इस समुदाय के लोग जाते हैं, वे न केवल कारोबार करते हैं, बल्कि स्कूल और अस्पताल के निर्माण जैसे परोपकारी कार्य भी करते हैं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने इस टिप्पणी के लिए राज्यपाल की आलोचना करते हुए कहा कि इससे राज्य के प्रति उनकी नफरत की बू आती है। उन्होंने राज्यपाल से इस बयान के लिए माफी की मांग की।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे अखिलेश : केशव मौर्य

चित्रकूट, 30 जुलाई (एजेंसी)। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे की गुणवत्ता को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के ट्वीट पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश 2014 से लगातार पराजय का सामना कर रहे है, जिससे वह बौखला गए हैं। यूपी अब एक्सप्रेस-वे वाला प्रदेश बन चुका है इसलिए अखिलेश यह बात बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। भगवान कामदनाथ उन्हें सद्बुद्धि दें।

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने चित्रकूट पहुंचे डिप्टी सीएम शनिवार सुबह भगवान कामदनाथ दरबार पहुंचे। यहां पूजन-अर्चन और आरती के बाद उन्होंने परिक्रमा लगाई। इस दौरान मीडिया के कुछ सवालों का जवाब दिया। प्रशिक्षण वर्ग में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर होने वाली चर्चा कहा कि तैयारियां सतत चलने वाली प्रक्रिया है। भाजपा का यूपी में 75 प्लस का लक्ष्य है। इसके साथ ही बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर अखिलेश यादव की टिप्पणी पर कहा कि उनको लगता है कि धरती में वही एक मनुष्य हैं, जिन्होंने आगरा एक्सप्रेस वे बना दिया है।

अब यूपी एक्सप्रेस-वे का प्रदेश बन गया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे बनने से यहां के लोगों की आमदनी बढ़ी है। जो जमीन 50 हजार रुपये बीघे नहीं बिकती थी, अब उसकी कीमत 50 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि भगवान कामदनाथ से प्रार्थना है कि वह अखिलेश को सद्बुद्धि दें।

कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि प्रशिक्षण के जरिए

खलन तैयार किए जाते हैं। खासकर संगठन की मजबूती के लिए चर्चाएं होती हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गरीब तक पहुंचाने के लिए मंथन होता है। पार्टी में चुनावी तैयारियां चलती रहती हैं। बूथ स्तर तक संगठन कैसे मजबूत रहे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाता है।

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सैनी ने कहा कि भाजपा संगठन पर आधारित पार्टी है। बूथ स्तर तक पार्टी मजबूत हो, इसके लिए प्रशिक्षण में चर्चाएं होती हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में यूपी की 75 सीटों पर जीत मिली थी, इस बार पूरी 80 सीटों पर जीत हासिल करने की कवायद चल रही है।

कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो कार्य हो रहे हैं, उनको आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है। केन्द्र व प्रदेश सरकार ने आम लोगों के हित में योजनाएं संचालित कर रखी हैं। इन योजनाओं को निचले स्तर तक पहुंचाना है। प्रशिक्षण में पार्टी की विचारधारा के साथ ही संगठन की मजबूती पर विचार-विमर्श चल रहा है।

पूर्व डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में अलग-अलग विषयों पर प्रकाश डाला जाता है। प्रशिक्षण एकतरह से पथ-प्रदर्शक होता है। आजादी के बाद एक ही माओवादी विचारधारा रही है। इसके बाद भारतीय संस्कृति और विचार के आधार पर भाजपा ने काम किया है। प्रशिक्षण में जनसंघ से लेकर भाजपा की यात्रा पर चर्चा होती है। सामाजिक, राष्ट्रवाद, आर्थिक संतुलन, भाजपा की रीति-नीति, सिद्धांत पर चर्चाएं व मंथन होता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई नीति, सिद्धांत नहीं है। उनके पास जाति, धर्म के साथ ही अनैतिक प्रलाप भर बचा है।

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं हमीरपुर की प्रभारी रंजना उपाध्याय ने कहा कि बुंदेलखंड में पेयजल की सबसे बड़ी समस्या थी। सरकार ने इसके लिए हर घर नल योजना को धरातल में उतारने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि योजना का करीब 60 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग तो सतत प्रक्रिया जिसमें संगठन की मजबूती और सरकार की योजनाओं को धरातल में पहुंचाने पर मंथन किया जाता है।

बहुत कम लोग अदालत पहुंचते हैं, अधिकतर आबादी मौन रहकर पीड़ा सहती है: सीजेआई

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण ने न्याय तक पहुंच को सामाजिक उद्धार का उपकरण बताते हुए शनिवार को कहा कि जनसंख्या का बहुत कम हिस्सा ही अदालतों में पहुंच सकता है और अधिकतर लोग जागरुकता एवं आवश्यक माध्यमों के अभाव में मौन रहकर पीड़ा सहते रहते हैं।

न्यायमूर्ति रमण ने अखिल भारतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों की पहली बैठक में कहा कि लोगों को सक्षम बनाने में प्रौद्योगिकी बड़ी भूमिका निभा रही है। उन्होंने न्यायपालिका से न्याय देने की गति बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरण अपनाने का आग्रह किया।

अखिल भारतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यायपालिका से आग्रह किया कि वह विभिन्न कारागारों में बंद एवं कानूनी मदद का इंतजार कर रहे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया में तेजी लाये।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा, न्याय: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक - न्याय की इसी सोच का वादा हमारी (संविधान की) प्रस्तावना प्रत्येक भारतीय से करती है। वास्तविकता यह है कि आज हमारी आबादी का केवल एक छोटा प्रतिशत ही न्याय देने वाली प्रणाली से जरूरत पड़ने पर संपर्क कर सकता है। जागरुकता और आवश्यक साधनों की कमी के कारण अधिकतर लोग मौन रहकर पीड़ा सहते रहते हैं।

उन्होंने कहा, आधुनिक भारत का निर्माण समाज में असमानताओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ किया गया था। लोकतंत्र का मतलब सभी की भागीदारी के लिए स्थान मुहैया कराना है। सामाजिक उद्धार के बिना यह भागीदारी संभव नहीं होगी। न्याय तक पहुंच सामाजिक उद्धार का एक साधन है।

विचाराधीन कैदियों को कानूनी सहायता देने और उनकी रिहाई सुनिश्चित करने को लेकर प्रधानमंत्री की तरह उन्होंने भी कहा कि जिन पहलुओं पर देश में कानूनी सेवा अधिकारियों के हस्तक्षेप और सक्रिय रूप से विचार किए जाने की आवश्यकता है, उनमें से एक पहलू विचाराधीन कैदियों की स्थिति है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और अटॉर्नी जनरल ने मुख्यमंत्रियों और मुख्य न्यायाधीशों के हाल में आयोजित सम्मेलन में भी इस मुद्दे को उठाकर उचित किया। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि नालसा (राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण) विचाराधीन कैदियों को अत्यावश्यक राहत देने के लिए सभी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा कि भारत, दुनिया की दूसरा सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, जिसकी औसत उम्र 29 वर्ष साल है और उसके पास विशाल कार्यबल है। लेकिन कुल कार्यबल में से मात्र तीन प्रतिशत कर्मियों के दक्ष होने का अनुमान है।

प्रधान न्यायाधीश ने जिला न्यायपालिका को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की न्याय देने की प्रणाली के लिए रीढ़ की हड्डी बताया।

उन्होंने 27 साल पहले नालसा के काम करना शुरू करने के बाद से उसके द्वारा दी सेवाओं की सराहना की। उन्होंने लोक अदालत और मध्यस्थता केंद्रों जैसे वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

अजीत डोभाल ने पीएफआई को कट्टरपंथियों का हिस्सा बताया, मुस्लिम नेता बोले- लगे प्रतिबंध

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि कुछ तत्व ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो देश की प्रगति को बाधित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि निंदा पर्याप्त नहीं है और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और अन्य सहित कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ काम करने की जरूरत है। अजीत डोभाल ने यह बात दिल्ली में आयोजित अंतर धार्मिक बैठक के दौरान कही। इस दौरान मुस्लिम नेताओं ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

दिल्ली में आयोजित अंतर धार्मिक बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा, कुछ लोग धार्मिक मान्यताओं के आधार पर समाज के भीतर और बाहर कलह का प्रभाव पैदा करना चाहते हैं। बहुमत खामोश है। हम मूक दर्शक नहीं बन सकते। हमें संगठित होकर आवाज उठानी होगी, गलतियों में सुधार करना होगा।

डोभाल ने कहा, 'वे धर्म और विचारधारा के नाम पर कटुता और संघर्ष पैदा कर रहे हैं, यह पूरे देश को प्रभावित कर रहा है और देश के बाहर भी फैल रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमें मूकदर्शक बने रहने के बजाय अपनी आवाज को मजबूत करने के साथ-साथ अपने मतभेदों पर जमीनी स्तर पर काम करना होगा। हमें भारत के हर वर्ग को यह महसूस कराना है कि हम एक साथ एक देश हैं, हमें इस पर गर्व है और यहां हर धर्म को स्वतंत्रता के साथ स्वीकार किया जा सकता है।

बैठक में मौजूद मुस्लिम नेताओं ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। एनएसए डोभाल की अध्यक्षता में अंतर-धार्मिक बैठक में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने भाग लिया। धार्मिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार के आउटरीच के हिस्से के रूप में आयोजित इस सम्मेलन में सूफी संतों ने भी भाग लिया।

इस तरह की बैठक आयोजित करके मोदी सरकार की पहल ऐसे समय में आई है जब निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा की पैगंबर पर विवादास्पद टिप्पणी और सूफी बरेलवी मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग की चरम प्रतिक्रियाओं के मद्देनजर देश में धार्मिक कलह चरम पर है।

नुपुर शर्मा की टिप्पणी के खिलाफ पश्चिमी एशियाई देशों के विरोध के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने भाजपा नेता को निलंबित कर दिया था। हालांकि, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में हिंसा की खबरें आने के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

विवाद ने तब और भीषण मोड़ ले लिया जब राजस्थान के उदयपुर में एक दर्जी कन्हैया लाल को दो मुस्लिम लोगों द्वारा आईएसआईएस-शैली की हत्या के कृत्य में सिर काट दिया गया, जिन्होंने हत्या को फिल्माया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को मारने की धमकी दी। दोनों हत्यारे अपने साथियों के साथ एनआईए की हिरासत में हैं।

माफिया अतीक के बेटे अली ने कोर्ट में किया सरेंडर

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसी)। गुजरात जेल में बंद बाहुबली और पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद अली ने शनिवार को पुलिस और एसटीएफ को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। अली के खिलाफ करेली पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था। पिछले साल दिसंबर में अतीक अहमद के रिश्तेदार जीशान ने अली समेत अन्य के खिलाफ करेली थाना में रंगदारी मांगने और जानलेवा हमला करने समेत कई संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मुकदमे में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अली वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में थी। शनिवार को नाटकीय ढंग से अली दोपहर करीब 12 बजे जिला कोर्ट पहुंचा और सरेंडर कर दिया।

हालांकि अली के वकील ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट से अली की जमानत मांगी, जिस पर सुनवाई करते हुए जमानत अर्जी को खारिज कर दिया गया। अली अहमद को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया है।

अतीक के बेटे अली अहमद के खिलाफ उसके रिश्तेदार ने ही दिसंबर 2021 को करेली थाने में पांच करोड़ की रंगदारी मांगने और मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया था। अली अहमद पर आरोप है कि वह अपने साथियों संग गया था। उसने गुजरात के अहमदाबाद के साबरमती जेल में बंद अपने पिता से जीशान की फोन पर बात कराई थी। अली ने जीशान से जमीन अपनी पत्नी के नाम करने के लिए धमकाया था। इसके बाद जीशान की तहरीर पर करेली थाने में मुकदमा र्द किया गया था।

बाहुबली अतीक अहमद के सबसे बड़े बेटे मोहम्मद उमर की अब हिस्ट्रीशीट खोली जानी है। जिला पुलिस ने इसकी कार्यवाही शुरू कर दी है। हिस्ट्रीशीट खोलने के लिए दस्तावेज इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे पहले सीबीआई उमर पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित कर चुकी है।

तीन साल से जांच एजेंसियों को उसकी तलाश है। 2018 में उमर के खिलाफ लखनऊ के प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल को अगवा कर देवरिया जेल में ले जाकर पिटाई करने के मामले में लखनऊ के कृष्णा नगर थाने में एफआईआर हुई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जहां कोर्ट के आदेश पर छह महीने बाद कृष्णा नगर थाने में दर्ज एफआईआर को ही आधार बनाकर सीबीआई लखनऊ की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

महंगाई पर कांग्रेस का हल्ला बोल, 5 अगस्त को पीएम हाउस के घेराव का ऐलान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी 5 अगस्त को मूल्य वृद्धि के खिलाफ व्यापक राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी अपने बड़े विरोध के तहत संसद से राष्ट्रपति भवन और 'प्रधान मंत्री हाउस घेराव' तक मार्च निकालने का ऐलान कर चुकी है।

देश में बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पीएम हाउस का घेराव करने का ऐलान किया है। कांग्रेस के इस मार्च में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। संसद के दोनों सदनों में इस सप्ताह मूल्य वृद्धि मुद्दे पर कई व्यवधान देखे गए।

लोकसभा में सोमवार को महंगाई पर बहस होने की संभावना है, उसके बाद मंगलवार को राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर बहस हो सकती है।

गौरतलब है कि विपक्ष 18 जुलाई को मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही दोनों सदनों में बढ़ती कीमतों और जीएसटी का मुद्दा उठा रहा है।

नशीले पदार्थों के प्रति केंद्र की जीरो टॉलरेंस नीति के परिणाम दिख रहे हैं : अमित शाह

चंडीगढ़, 30 जुलाई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को चंडीगढ़ में कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी समाज के लिए खतरा बन गई है, इसलिए केंद्र ने नशीले पदार्थों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

शाह पंजाब राजभवन में मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दो दिवसीय नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए चार महीने के भीतर शहर की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान चंडीगढ़ में थे। वह कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्री की निगरानी में

एनसीबी द्वारा 30,000 किलोग्राम से अधिक जब्त किये गये ड्रग्स को नष्ट कर दिया गया, जिसने 1 जून से नशा निपटान अभियान शुरू किया और 29 जुलाई तक 11 राज्यों में 51,217 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों का निस्तारण किया गया।

'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर, एनसीबी ने आजादी के 75 साल पर 75,000 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करने का संकल्प लिया है।

शाह शाम को प्रसिद्ध वर्षा आधारित सुखना झील में 'हर घर तिरंगा' और 'आजादी का अमृत महोत्सव' लेजर शो में भाग लेंगे।

चंडीगढ़ हवाईअड्डे पर पहुंचने पर पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज, चंडीगढ़ की सांसद किरण खेर और चंडीगढ़ के सलाहकार धर्म पाल ने उनका स्वागत किया।

सिसोदिया का एलान- पुरानी शराब नीति होगी लागू

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने नयी आबकारी नीति को फिलहाल वापस लेने का फैसला किया है और सरकार द्वारा संचालित दुकानों के जरिये शराब की बिक्री किए जाने का निर्देश दिया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सिसोदिया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे (भाजपा) गुजरात में अवैध शराब का कारोबार चला रहे हैं और वे अब दिल्ली में भी ऐसा ही करना चाहते हैं।

उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग भी है।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि शराब अब केवल सरकारी दुकानों के माध्यम से बेची जाए और कोई अराजकता न हो।

सिसोदिया ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शराब की दुकानों के लाइसेंसधारियों और आबकारी अधिकारियों को धमकाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कई लाइसेंसधारियों ने अब दुकानें बंद कर दी हैं और आबकारी अधिकारी खुदरा लाइसेंस की खुली नीलामी शुरू करने को लेकर डरे हुए थे।

सिसोदिया ने कहा, वे शराब की कमी पैदा करना चाहते हैं ताकि वे दिल्ली में शराब का अवैध व्यापार कर सकें, जैसा कि वे गुजरात में कर रहे हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

नयी आबकारी नीति के तहत दिल्ली में इस समय करीब 468 शराब की दुकानें संचालित हैं। इस नीति की अवधि को 30 अप्रैल के बाद दो बार दो-दो महीने के लिए बढ़ाया गया था। यह अवधि 31 जुलाई को समाप्त होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com